रांची, शुक्रवार
27.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 88 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति को राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर दी विदाई

रांची। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर गुरुवार शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके झारखंड दौरे के समापन पर औपचारिक विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया। एयरपोर्ट पर प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सुनेत्रा पवार बनीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुंबई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह निर्णय मुंबई के वर्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। इस बैठक में राकांपा एपी के कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए पेश किया। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव को सहमति दी। इसके बाद पटेल ने सुनेत्रा पवार को राकांपा एपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। राकांपा एपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित सभी नेताओं ने सुनेत्रा पवार का स्वागत किया।

कनाडा के प्रधानमंत्रीआज पहुंचेंगे मुंबई

नई दिल्ली/ ओटावा : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री कार्नी शुक्रवार 27 फरवरी को मुंबई पहुंचेंगे और वह वहां अगले दो दिन विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वह भारत और कनाडा की कुछ प्रमुख कंपनियों के कार्यकारी अधकारियों, उद्योग और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों के साथ-साथ भारत में स्थित कनाडा के पेंशन फंड प्रमुखों के साथ वातार्लाप करेंगे।

आज से भगवान जगन्नाथ हो गए हैं जमशेदपुर बिहारी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः 'श्री श्री जगन्नाथ मंदिर की जमशेदपुर में स्थापना का यह सही समय है। भगवान जगन्नाथ जल्दी नहीं आते, उनके आने का इंतजार करना पड़ता है। 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं।'

यह बातें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कदमा स्थित मरीन ड्राइव में श्री श्री जगन्नाथ मंदिर एवं जगन्नाथ आध्यात्मिक धर्मार्थ केंद्र की आधारशिला रखने के अवसर पर कहीं।

भूमि पूजन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भावनात्मक अंदाज में कहा कि अब भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर में विराजमान होने जा रहे हैं और 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं।'राष्ट्रपति ने रांची में स्थापित जगन्नाथ मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मंदिर बनने के बाद भगवान 'निड़ाचढ़ बिहारी' कहलाए और अब झारखंड में व्यापक रूप से पूजे जा रहे हैं। जमशेदपुर में मंदिर निर्माण के साथ उनकी कृपा इस शहर पर भी बरसेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आध्यात्मिक एवं धर्मार्थ केंद्र न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा,बल्कि समाज सेवा और सांस्कृतिक चेतना का भी महत्वपूर्ण स्थल सिद्ध होगा।

राष्ट्रपति ने कदमा में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखीं

जमशेदपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जमशेदपुर के कदमा स्थित मरीन ड्राइव में गुरुवार को श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण के लिए आधारशिला रखी। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित भूमि पूजन समारोह गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी जीवन पद्धति और सामाजिक समरसता की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि श्री जगन्नाथ की परंपरा लोककल्याण, सेवा और समावेशिता का संदेश देती है। ऐसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र समाज को जोड़ने, नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि यह केंद्र न केवल धार्मिक गतिविधियों का स्थल होगा, बल्कि सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संवाद का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

इसके पूर्व कदमा मरीन ड्राइव स्थित कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पहुंचते ही पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ और मंदिर निर्माण की औपचारिक शुरूआत की।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सर्वसुलभ और सर्वप्रिय भगवान हैं, जिनकी लोकप्रियता पूरे विश्व में है। उन्होंने रथ यात्रा की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि जब रथ यात्रा निकलती है तो भगवान भक्तों के बीच झूला झूलते, गान और उत्सव के साथ पहुंचते हैं। उनका आगमन प्रतीक्षा और भक्ति का प्रतीक है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और उनकी पत्नी, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक सरयू राय सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना केंद्र बनेगा श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक केंद्र : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। कुछ संस्थाएं केवल भवन नहीं होतीं, वे स्वयं के साथ-साथ मानव जीवन को भी तराशती हैं। श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण की नींव रखी जा रही है, जो आने वाले समय में सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक जागरण का प्रमुख केंद्र बनेगा। यह बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कदमा स्थित मरीन ड्राइव परिसर में आयोजित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के भूमि पूजन समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने इस पहल को सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समन्वय का जीवंत केंद्र बताते हुए इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण और सराहनीय कदम बताया।

कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिलापट्ट का अनावरण कर केंद्र की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में स्थापित होने वाली संस्थाएं केवल संरचनाएं नहीं होतीं, बल्कि वे विचार, संस्कार और संस्कृति को आगे बढ़ाने का माध्यम बनती हैं। मुख्यमंत्री ने श्री जगन्नाथ स्पिरिचुअल एंड कल्चरल चैरिटेबल सेंटर ट्रस्ट की सोच और उद्देश्य की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह केंद्र एक अभूतपूर्व और भव्य स्वरूप में विकसित होगा। उन्होंने सभी संबंधित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करेगी।

करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र ओडिशा के पुरी स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर, पुरी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित केंद्र में आध्यात्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, धार्मिक अध्ययन, सामुदायिक गतिविधियों और सामाजिक सेवा के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न केवल जमशेदपुर बल्कि पूरे कोल्हान क्षेत्र को एक नई सांस्कृतिक पहचान मिलेगी।

वहीं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ऐसे केंद्र हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे ओडिशा और झारखंड के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने वाला कदम बताया।

भारत-इजरायल संबंधों को स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा, जल्द होगा मुक्त व्यापार समझौता : पीएम मोदी

एजेंसी

यरूशलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा दोनों देश शीघ्र ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने यरूशलम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और इजरायल के संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय दोनों देशों के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पार्टनरशिप स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने इजरायल में यूपीआई के उपयोग के लिए हुए समझौते पर भी प्रसन्नता व्यक्त की तथा डिजिटल हेल्थ सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दशकों पुराना विश्वसनीय रक्षा संबंध रहा है और हाल में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। दोनों देश संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नागरिक परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही।

कृषि क्षेत्र में सहयोग को भविष्य उन्मुख बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के सहयोग से भारत में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मित्रता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इनकी संख्या 100 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस और इंडिया-इजरायल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना से किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। लोगों के बीच संपर्क को संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में हुए मैनपावर मोबिलिटी समझौते के तहत भारतीय कामगारों ने इजरायल के निर्माण और केयरगिवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब इस सहयोग का विस्तार वाणिज्य और सेवा क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। युवाओं, शोधकताओं और नवोन्मेषकों को जोड़ने के लिए ह्यइंडिया-इजरायल अकादमिक फोरमह्व की स्थापना की जा रही है।

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आई-मेक) और भारत-इजरायल-यूएई-अमेरिका पहल (आई2यू2) को नई गति से आगे बढ़ाया जाएगा।

मोदी ने की इजरायली राष्ट्रपति से मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने विशेष भारत-इजरायल साझेदारी को मजबूत करने में राष्ट्रपति के दृढ़ समर्थन के लिए उनको धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने शिक्षा, स्टार्ट-अप, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने के रास्ते तलाशे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक पेड मां के नामह्व पहल के तहत राष्ट्रपति उद्यान में एक पेड़ लगाया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति हर्जोग को निकट भविष्य में भारत की यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया। वहीं राष्ट्रपति हर्जोग ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि भारत और इजराइल की जनता साथ मिलकर अधिक सशक्त है।

राज्य के 48 नगर निकायों में मतगणना आज

बिभा संवाददाता

मतगणना आज सुबह आठ बजे से

25 टेबल वाला रांची सबसे बड़ा

पार्षद और मेयर वोटों की गिनती अलग-अलग होगी

रांचीः झारखंड में 48 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के चुनावों के लिए शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वोटों की गिनती की जाएगी. मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी और लगभग दो घंटे बाद परिणाम आने शुरू होने की उम्मीद है. चुनाव 23 फरवरी को हुए थे, जिसमें कुल 43 लाख मतदाताओं में से 63 प्रतिशत से अधिक ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था.

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधे श्याम प्रसाद ने बताया कि सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होगी. वार्ड पार्षदों और महापौर/अध्यक्षों के चुनाव के लिए सफेद और गुलाबी रंग के मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था.

श्री प्रसाद ने कहा, धनबाद को छोड़कर, 47 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में मतगणना शुक्रवार तक पूरी होने की उम्मीद है. धनबाद नगर निकाय में मतगणना शनिवार तक पूरी हो सकती है क्योंकि वहां नौ चरणों की मतगणना होगी.

प्रसाद ने बताया कि मतगणना केंद्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं. झारखंड के 48 स्थानीय निकाय (यूएलबी) में महापौर और अध्यक्ष के पदों के लिए तथा नौ नगर निगमों, 20 नगर परिषदों और 19 नगर पंचायतों के 1,042 वार्डों में पार्षदों के लिए चुनाव हुए.

राज्य के 48 यूएलबी में कुल 1,087 वार्ड हैं, लेकिन 1,042 वार्डों में चुनाव हुए, क्योंकि 41 पार्षद निर्विरोध चुने गए, तीन वार्डों में नामांकन प्राप्त न होने के कारण रिक्त स्थान रह गए और मानगो नगर निगम के एक वार्ड में उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान रद्द कर दिया गया.

महापौर और अध्यक्ष पदों के लिए 235 महिलाओं सहित कुल 562 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि वार्ड पार्षद पदों के लिए 2,727 महिलाओं सहित 5,562 उम्मीदवारों ने चुनावी रण में अपनी किस्मत आजमाई. चुनाव किसी राजनीतिक दल के चिन्ह पर नहीं लड़ा गया, लेकिन उम्मीदवारों को विभिन्न दलों का समर्थन प्राप्त है.

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

चेन्नई : अभिषेक शर्मा (55), हार्दिक पंड्या (नाबाद 50), तिलक वर्मा (नाबाद 44), इशान किशन (38) और सूर्यकुमार यादव (33) की विस्फोटक पारियों के बाद अर्शदीप सिंह (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन बदौलत भारत ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराकर टूनार्मेंट में अपनी उम्मीद को जिंदा रखा। 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और टी मारूमानी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में अक्षर पटेल ने टी मारूमानी (20) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने डिओन मेयर्स (छह) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सिकंदर रजा ने ब्रायन बेनेट के साथ तीसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। 17वें ओवर में अर्शदीप ने सिकंदर रजा को बाउंड्री पर कैच आउट कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं क्लास की "सामाजिक विज्ञान" किताब पर लगाया प्रतिबंध, जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्लीः उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की उन किताबों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल है। न्यायालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह न्यायपालिका को बदनाम करने के इरादे से की गई "सुनियोजित साजिश" है, साथ ही अदालत ने भ्रष्टाचार पर अध्याय से संबंधित कक्षा आठ की सभी किताबों, उनकी प्रतियों और डिजिटल स्वरूपों को जब्त करने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, "उन्होंने ऐसा आघात किया है, जिससे न्यायपालिका आहत हुई है।"

एक दिन पहले प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनसीईआरटी को सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में "अनुचित सामग्री" के लिए माफी मांगने और उचित अधिकारियों से परामर्श करके इसे फिर से लिखने की बात कही थी। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक और विद्यालय शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे पूछा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अवमानना ????की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। एनसीईआरटी के बुधवार के पत्र का जिक्र करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "यह (पत्र) अपने आप में गहरी साजिश को दशार्ता है... एक सुनियोजित साजिश।"

पीठ ने कड़े शब्दों में कहा कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की "सोची-समझी साजिश" रची जा रही है। पीठ ने चेतावनी दी कि अगर उसके निर्देशों का किसी भी तरह से उल्लंघन किया गया तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी। पुस्तक की सामग्री का हवाला देते हुए पीठ ने टिप्पणी की कि इस प्रकार के व्यवहार का न्यायपालिका पर गहरा असर पड़ेगा। इस तरह का आचरण आपराधिक अवमानना ??की परिभाषा के अंतर्गत आएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर इसे रोका नहीं गया तो इससे न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कम होगा। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "संस्था के प्रमुख के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं इसके लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाऊं।"

मलेरिया उन्मूलन को लेकर अड़की, तोरपा और रनिया में चलेगा विशेष अभियान : सिविल सर्जन

बिभा संवाददाता

खूंटी । जिले के सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में सघन मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग ने सीनी के सहयोग से किया। बैठक में जिले में मलेरिया की वर्तमान स्थिति, संक्रमण दर, उच्च जोखिम क्षेत्रों की पहचान, सक्रिय सर्वेक्षण, जांच, उपचार, दवा वितरण एवं मच्छर नियंत्रण गतिविधियों की समीक्षा की गई। सिविल सर्जन डॉ. रजनी नीलम टोप्पो ने बताया कि अड़की, रनिया और तोरपा प्रखंड में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत घर-घर मलेरिया जांच, बुखार के मामलों की पहचान और समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। आशा, एएनएम व सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को नियमित प्रशिक्षण देकर जमीनी निगरानी को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2030 तक भारत को मलेरिया मुक्त बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सीनी के कार्यक्रम प्रबंधक राम राज सिंह ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन में सामुदायिक सहयोग अहम है। उन्होंने लोगों से साफ-सफाई रखने, जल जमाव रोकने, मच्छरदानी के नियमित उपयोग तथा बुखार होने पर तुरंत जांच कराने की अपील की। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने सुझाव दिए और जिले को मलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक में सीनी संस्था के अनिल कुमार, संगीता मिश्रा, रोहित कुमार, असगर अब्बास, विभिन्न प्रखंड स्तरीय प्रतिनिधि तथा सहयोगी संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के कर्मी अरुण कुमार एवं आरिफ अख्तर ने संयुक्त रूप से किया।

सारंडा में सड़क किनारे मिला आईईडी, सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय

बिभा संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब छोटानागरा थाना अंतर्गत मनोहरपुरझाझीबासा मुख्य मार्ग पर टोंटोगाढ़ा के पास सड़क किनारे आईईडी होने की सूचना मिली। आशंका जताई गई कि नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से विस्फोटक लगाया है। सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और एहतियातन सुबह करीब साढ़े नौ बजे से मार्ग के दोनों ओर यातायात रोक दिया गया। क्षेत्र की घेराबंदी कर बम निरोधक दस्ते ने सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान टोंटोगाढ़ा गांव के समीप सड़क किनारे संदिग्ध वस्तु बरामद हुई,जिसे आईईडी के रूप में चिन्हित किया गया। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से नष्ट कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान लगभग ढाई घंटे तक सड़क पर आवागमन बंद रहा,जिससे वाहनों की कतार लग गई। स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात बहाल कर दिया गया। इस घटना की पुष्टि अमित रेनू ने की है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों की सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई और मामले की जांच जारी है।

विधायक संजीव सरदार के प्रश्न पर सरकार ने कहा महिला पर्यवेक्षिका के रिक्त पदों पर जल्द होगी नियुक्ति

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा झारखंड विधानसभा में पूछे गए अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं की स्थिति, मानदेय एवं प्रोन्नति से संबंधित विस्तृत जानकारी सदन में प्रस्तुत की। विधायक ने पूरे राज्य में बड़ी संख्या में कार्यरत आंगनबाड़ी कर्मियों के हितों, मानदेय वृद्धि एवं सेवा सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।सरकार ने सदन में बताया कि वर्तमान में राज्य में 75,625 आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं कार्यरत हैं। विभागीय अधिसूचना के तहत मानदेय निर्धारित किया गया है। वर्तमान में आंगनबाड़ी सेविका को प्रतिमाह ?11,500 तथा सहायिका को ?5,750 मानदेय दिया जा रहा है। साथ ही, सेविका के मानदेय में प्रतिवर्ष ?500 एवं सहायिका के मानदेय में ?250 की वृद्धि का प्रावधान है, जो प्रत्येक वर्ष जुलाई माह से प्रभावी होता है। विधायक संजीव सरदार के सवाल पर विभाग ने स्पष्ट किया कि झारखंड आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन नियमावली 2022 के तहत 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर अर्हता रखने वाली सेविकाओं को महिला पर्यवेक्षिका के 25 प्रतिशत पदों पर सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति का अवसर दिया जाता है। वर्तमान में 64 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु अधियाचना झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को भेजी गई है।विधायक संजीव सरदार ने सदन में कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं ग्रामीण स्तर पर महिला एवं बाल विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने ह्ऱसमान काम के लिए समान वेतनह्, सेवा सुरक्षा, ईपीएफ, बीमा, भविष्य निधि तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों पर सरकार से सकारात्मक पहल की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मियों के अधिकारों और सम्मानजनक मानदेय सुनिश्चित करने के लिए वे आगे भी सदन में आवाज उठाते रहेंगे। विधानसभा में उठाया गया यह प्रश्न आंगनबाड़ी कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मुरहू में श्रम योजनाओं पर जागरूकता कार्यशाला, अधिकतम पंजीकरण का लक्ष्य

खूंटी(बिभा)। मुरहू प्रखंड परिसर सभागार में श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर वृहस्पतिवार को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप प्रमुख अरुण साबू ने किया। कार्यशाला में तोरपा एवं अड़की के प्रभारी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने श्रमिकों और ग्रामीणों को श्रम कार्ड के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया एवं उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने मजदूरों को तीन श्रेणियों–संगठित, असंगठित और प्रवासी–में विभाजित किया है तथा प्रत्येक वर्ग के लिए अलग-अलग कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। उप प्रमुख अरुण साबू ने कहा कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को प्रखंड स्थित श्रम कार्यालय में अनिवार्य रूप से निबंधन कराना चाहिए। उन्होंने पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक मजदूरों का पंजीकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में पारदर्शिता एवं तत्परता के साथ मार्च माह तक अधिकतम श्रमिकों के पंजीकरण का लक्ष्य तय किया गया, ताकि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

सप्लाई पानी पाईप से सड़कों पर बहा हजारों लीटर पानी

खूंटी(बिभा) । जब से नगर पंचायत क्षेत्र में दीनदयाल उपाध्याय शहरी जलापूर्ति योजना का काम शुरू हुआ है तब से पेयजल आपूर्ति सप्लाई पानी बहने से रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शहर के विभिन्न मुहल्लों के कई जगहों में पानी का बहाव होता रहा है। वहीं वृहस्पतिवार को रॉंची रोड पर मुख्यपथ के किनारे मुख्य पाइप से पानी का जबरदस्त बहाव होने से पीने का पानी सड़कों में बहने लगा है। जिससे आज हजारों लीटर पानी बहकर बर्बाद हो गया। जिसके बाद क्षेत्र में इसकी चर्चा होने लगी तो फिर मिस्त्री जाकर बनाने लगा है। लेकिन विगत सात वर्षों से शहरी जलापूर्ति योजना का चल रहा काम अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। इस कारण शहरवासियों को समस्या होती रही है।

बच्चा लेकर भाग रही महिला को ग्रामीणों ने पकड़ा और थाना को सौंपा, लेकिन महिला निकली विक्षिप्त

खूंटी(बिभा) । जिले के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जम्हार बाजार में वृहस्पतिवार को बच्चा चोरी की घटना की खबर से क्षेत्र में अफरातफरी मच गयी थी। जहाँ एक मछली बिक्री करनेवाली महिला का बच्चा को लेकर भाग रही थी। इसी क्रम में लोगों ने देखा तो महिला को पकड़ लिया गया। वहीं बच्चे को छुड़ाकर महिला को जरिया गढ़ थाना को सुपुर्द कर दिया गया। जिसे जरिया गढ़ थाना ले जाता गया। लेकिन महिला मानसिक रूप से ग्रसित निकली। जो बाद में थाना से ही भाग गयी। थाना प्रभारी बिरेंद्र कुमार ने बताया कि महिला विक्षिप्त है। जिसे पहले भी भटकते हुए किसी गांव में पकड़ा गया था। और आज भी ग्रामीणों द्वारा पकड़ी गयी है। इस विक्षिप्त महिला को थाना परिसर में रखा गया। लेकिन बाद में महिला वहाँ से भी निकल गयी।

हनुमान मंदिर वार्षिकोत्सव पर किया गया भगवत संकीर्तन

खूंटी(बिभा) । जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मास्को गांव में हनुमान मंदिर वार्षिकोत्सव के अवसर पर वृहस्पतिवार को हरि कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मास्को गाँव के अलावे तिलमी, डहकेला, जम्हार आदि अनेक गांव के लोग शामिल हुए। वहीं मास्को गांव में भक्तिमय वातावरण हो गया। इस दौरान लोगों ने मृदंग झांझ करताल आदि के साथ मधुर स्वर में भगवत नाम संकीर्तन किये। इस कार्यक्रम में बच्चे बड़े नर नारी वृद्ध जनों ने भाग लिया । साथ ही, प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर कृष्णा गोप, शिवनारायण सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रामेश्वर गोप, खिलेश्वर गोप, रतनलाल सिंह, जीतनाथ गोप, सुरेश सिंह, बुधन गोप, प्रदीप साहू, जोगेंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह, रामकिशोर गोप, टिंकू सिंह, रामदेव गोप, बिरेंद्र सिंह सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

समाज और विद्यालय की संयुक्त जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से न रहे वंचित : अभय

बिभा संवाददाता

खूंटी । समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका मध्य विद्यालय, खूंटी के सभागार में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।
जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील ने दिव्यांगता विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि समाज और विद्यालय की संयुक्त जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जो बच्चे अब तक विद्यालय की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं, उन्हें चिह्नित कर विशेष प्रयास के साथ स्कूल से जोड़ना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया साथ ही दिव्यांग बच्चों को समान अवसर उपलब्ध कराना ही सच्ची शिक्षा का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रशासन, शिक्षक और अभिभावक मिलकर कार्य करें, तभी समावेशी शिक्षा की अवधारणा सफल होगी।
प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रखंड स्तर पर विशेष सर्वे कर ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी, जो अब तक विद्यालय से बाहर हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं और रिसोर्स शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया। कार्यशाला में जिले के अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड साधन सेवी, संकुल साधन सेवी, उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी सेविकाएं, रिसोर्स शिक्षक तथा अभिभावकों ने भाग लिया। मंच संचालन प्रखंड साधन सेवी सुभाष साव ने किया। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी वंदना भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पोते को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को सरायकेला-खरसावां जिले के जिलिंगोड़ा पहुँचे, जहाँ उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री चंपई सोरेन के पोते, वीर सोरेन, के असामयिक निधन पर गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की। दिवंगत वीर सोरेन, श्री बाबूलाल सोरेन के ज्येष्ठ पुत्र थे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत वीर सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री चंपई सोरेन, श्री बाबूलाल सोरेन एवं परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर उन्हें ढाँढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकग्रस्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दें।

शांति समिति की बैठक में होली शांति व सौहार्द के साथ मनाने का आह्वान

बिभा संवाददाता

खूंटी । जिले के मुरहू थाना परिसर में वृहस्पतिवार को प्रशासन द्वारा क्षेत्र के शान्ति समिति के सदस्यों के बीच आगामी पर्व होली को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। जिसमें पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर निर्दिष्ट किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अंचल अधिकारी शंकर विद्यार्थी ने कहा कि किसी समुदाय व व्यक्ति के बीच टारगेट करके उसके मन को चोट लगने जैसा कार्य नहीं करना है और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाना है।
मौके पर उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि अंचल अधिकारी शंकर विद्यार्थी ने ग्रामीणों से स्पष्ट शब्दों में अपील की कि होली का पर्व शांतिपूर्वक एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि होली के दौरान किसी प्रकार का दंगा-फसाद न हो तथा शराब सेवन कर सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।?
उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि होली भाईचारे और प्रेम का पर्व है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि जिस उत्साह और खुशी से आमजन होली मनाते हैं, उसी भावना से प्रशासनिक पदाधिकारी भी पर्व को शांति और आनंद के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
मुखिया ज्योति डोडराय ने कहा कि मुरहू में सदैव सभी समुदाय मिलकर होली मनाते आए हैं और इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया जाएगा।
थाना प्रभारी गॉडविन ने स्पष्ट किया कि किसी को भी शांति भंग करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रंगों के इस पावन पर्व को प्रेम और सद्भावना के साथ मनाएं। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि होली के साथ-साथ ईसाई समुदाय का लेंट और मुस्लिम समाज का पवित्र महीना रमजान भी चल रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी समुदायों से आपसी सम्मान और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में थाना परिसर में प्रतीकात्मक रूप से होली के रंगों की शुरुआत की गई तथा सभी को फगुआ, होली और होलिका दहन सौहार्द पूर्वक मनाने का संदेश दिया गया। इस मौके पर, प्रखंड प्रमुख, नईमुद्दीन खान, सफीक खान, समाजसेवी सुरेश प्रसाद, सुरेश अकेला, पूर्व पंचायत समिति सदस्य उर्मिला देवी, सुरेश अकेला, बबलू खान महेश कुमार, सहित विभिन्न पंचायतों की मुखिया एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कर्रा थाना में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक

बिभा संवाददाता

खूंटी ।जिले के कर्रा थाना परिसर स्थित स्वागत छपरी में गुरुवार को कर्रा थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रोम की अध्यक्षता में शांति समिति का बैठक किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से कर्रा अंचलाधिकारी अन्वेषा ओना उपस्थित थे।
बैठक में थाना प्रभारी व अंचलाधिकारी ने कहा कि होली पर्व को हम सभी मिलकर हंसी-खुशी और उमंग के साथ मनाएंगे। मौके पर, थाना प्रभारी ने कहा कि बाजा या डीजे रात्रि 10:00 बजे से पहले बंद हो जाना चाहिए। और कोई शरारती तत्व किसी प्रकार का शरारत करता है तो तत्काल कर्रा पुलिस को सूचित करें ताकि पर्व किसी भी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए। बैठक के अंत में लोगों ने होली खेलकर एक दूसरे को बधाई दी। वहीं मुँह मीठा किया। मौके पर एसआई जुगेश सिंह, छुनकु सारंगी, विनोद प्रसाद सोनी, शेख फिरोज, मेंहदी हसन, परवेज खान, अफजल मियासीं, विष्णु सोनी, समाजसेवी महादेव लोहरा, प्रकाश प्रसाद, कर्रा मुखिया रश्मी लकड़ा, छाता मुखिया सुखराम होरो, रंजिता देवी के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

वाहन जाँच अभियान में 2.60 लाख का काटा गया चालान

खूंटी । जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा तजना पुल के समीप वृहस्पतिवार को वाहन जाँच अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहनों को रुकवाकर उनके कागजातों का जाँच किया गया। इसी क्रम में सभी वाहनों के टैक्स, इंश्योरेंस, परमिट, लाइसेंस सहित अन्य कागजों की जाँच की गई। जिसमें मोटरवाहन अधिनियम का उल्लंघन कर रहे विभिन्न वाहनों पर चालान काटा गया। जाँच में दोषी पाए गये लोगों से कुल 260000/- (दो लाख साठ हजार रुपए) का चालान किया गया। वाहन जाँच अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, सड़क अभियांत्रिकी विशेषज्ञ सहित अन्य कर्मी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक में सौहार्दपूर्ण होली मनाने की अपील

बिभा संवाददाता

रनिया। आगामी होली पर्व को शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने के लिए, वृहस्पतिवार को रनिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक का नेतृत्व बीडीओ प्रशांत डांग और थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार ने संयुक्त रूप से किया। थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार ने कहा कि पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। हुड़दंग, जबरन रंग लगाने, डीजे के दुरुपयोग एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ होली पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी भाईचारा कायम रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ प्रशांत डांग ने कहा कि होली आपसी प्रेम और सद्भाव का त्योहार है। सभी लोग परंपराओं का सम्मान करते हुए मर्यादित एवं सुरक्षित तरीके से पर्व मनाएं। उन्होंने प्रशासन को सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी समस्या की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।
बैठक में प्रखंड प्रमुख नेली दहंगा, जिप सदस्य बिरेन कंडुलना, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश कोंगाड़ी, भाजपा जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना, सीताराम नाग, डोमन सिंह, मुखिया मोनिका तोपनो, प्रतिमा कंडुलना, समाजसेवी नारायण साहू, देवनाथ महहिया, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष चंदन उर्फ टिंकू चौधरी, दिनेश नाग, रघुवीर चौधरी, राजेश चौधरी, कृष्णा सिंह, बड़कू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूंटी । जिला उद्यान कार्यालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से गुरुवार को प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत खूंटी जिले के विभिन्न प्रखंडों से चयनित 40 कृषकों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा 40 कृषकों को हॉर्टिकल्चर कॉलेज, नालंदा के लिए रवाना किया गया। समाहरणालय परिसर से उप समाहर्ता कोमल कुमारी एवं जिला उद्यान पदाधिकारी डॉ. महेश राम ने हरी झंडी दिखाकर कृषकों के दल को रवाना किया। इस अवसर पर उप समाहर्ता कोमल कुमारी ने कहा कि बदलते समय में पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक हो गया है। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कृषकों से आग्रह किया कि वे सीखकर लौटें और जिले में अन्य किसानों को भी नई तकनीकों से अवगत कराएं।
डॉ. महेश राम ने कहा कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन का उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन की दिशा में प्रेरित करना है। प्रशिक्षण के दौरान ऑफ-सीजन में उच्च मूल्य वाली सब्जियों की खेती तथा ब्रोकली, शतावरी, जुकिनी, केल, लाल एवं पीली शिमला मिर्च, चेरी टमाटर जैसी एग्जॉटिक सब्जियों की वैज्ञानिक विधि से खेती की जानकारी दी जाएगी। कृषक मॉडल डेमोंस्ट्रेशन फार्मों का परिभ्रमण कर व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

एशिया का सबसे बड़ा बेकन फैक्ट्री को पुनर्जीवित करेगी सरकार : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

रांची। सदन में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को कहा कि रांची के कांके में एशिया का सबसे बड़ा और एकमात्र स्थापित सरकारी बेकन फैक्ट्री को खोलने पर कार्य किया जा रहा है। मंत्री झारखंड विधानसभा में बजट के कटौती प्रस्ताव पर जवाब दे रही रही थीं।

उन्होंने कहा कि कभी देश दुनिया में रैनबैक ब्रांड की पहचान थी। यहां से निर्मित पोर्क, कबाब, सलामी और सॉसेज जैसे उत्पाद नॉर्थ ईस्ट के देशों तक भेजे जाते थे। उन्होंने सदन में विपक्षी सदस्य नवीन जायसवाल की ओर से लाए गए आंकड़ों को भ्रामक बताया। मंत्री ने कहा कि विभाग ने अब तक 67 प्रतिशत राशि खर्च कर ली है और वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक 80-90 प्रतिशत व्यय का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि धान खरीदारी के तहत 21,800 किसानों को 10 करोड़ रुपये यूपीआई माध्यम से सीधे भुगतान किए गए हैं। मिलेट मिशन योजना के आंकड़े भी सदन को उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देशी मांगुर मछली पर कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में कई एफआईआर दर्ज किए गए हैं। एमएसपी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के बोनस में बढ़ोतरी को तैयार है, लेकिन इसपर केंद्र सरकार का रुख देखना होगा। मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में महिला किसान सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। पांच लाख से अधिक किसानों को ऋण स्वीकृत किया गया है। करंज तेल के माध्यम से ग्रीन इकोनॉमी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पशुपालन क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग तीन लाख लीटर दूध उत्पादन हो रहा है, जिसे दोगुना करने का लक्ष्य है।

इसके बाद स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार की सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

विपक्ष को हुआ शुगर, इसलिए खोज रहा मडुआ : सुरेश

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को सत्तापक्ष की ओर से बजट के कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलते हुए राजद के विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार गरीब-गुरबों के लिए बेहतर कार्य कर रही है। सदन में प्रस्तुत कृषि बजट के दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। लेकिन सरकार की कार्ययोजनाएं विपक्ष को पच नहीं रही हैं। विपक्ष को शुगर हो गया है, इसलिए वह मड़ुआ खोज रहा है। हमारी सरकार मिलेट मिशन योजना के तहत उन्हें मड़ुआ भी देगी। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अच्छा अनाज खाइएगा तभी बुद्धि ठीक रहेगी। पासवान ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने कभी पशुधन के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। गाय, सुअर, मुर्गी और बकरी पालन का भी विरोध किया जाता है। यदि कोई किसान गाय लेकर जाता है तो विपक्ष के लोग तुरंत पुलिस को फोन कर देते हैं। लेकिन उनकी सरकार को अगले 50 वर्षों तक कोई हिला नहीं सकेगा। वहीं आजसू के विधायक निर्मल महतो ने कहा कि हाथियों के आतंक से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। किसानों के लिए विशेष कोष का गठन किया जाना चाहिए।

नीदरलैंड से मंगाये गये आठ लाख के नशे की खेप के साथ दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने नशे के सामान की खरीदी बिक्री के मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के नाम कुमार अभिषेक और अविनाश कुमार मिश्रा है। ये लोग सुखदेव नगर इलाके का रहने वाले हैं।

सिटी एसपी पारस राणा ने गुरुवार को बताया कि रांची के युवाओं में इन दिनों विदेशी नशा करने का प्रचलन बढ़ गया है। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थ पार्सल के माध्यम से मंगाया गया है और ये मादक पदार्थ ओझा मार्केट के पास डिलीवर होना है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की एक टीम गठन किया गया।

छापेमारी टीम जब ओझा मार्केट के पास पहुंची तो लाल कपड़ा पहना हुआ एक स्कूटी सवार युवक आया। उसने मादक पदार्थ को रिसिव किया और कुछ दूर आगे बढ़ा ही था कि पुलिस टीम ने उसे रोका गया और नाम-पता पूछा।

इस पर उसने अपना नाम कुमार अभिषेक बताया। इसके बाद उसकी विधिवत तलाशी ली गयी तो उसके पास से एक सफेद रंग का लिफाफा बरामद हुआ, जिस पर एक टिकट सटा, टिकट पर नीदरलैंड इंटरनेशनल लिखा हुआ था। पुलिस ने लिफाफा खोला तो बेल्जियन ग्रीटिंग्स कार्ड पाया गया। कार्ड खोलने पर 100 पैच का एक रंग-बिरंगा कागज पाया गया।

पुलिस ने इसके बाद अभिषेक से पूछताछ की तो बताया कि लिफाफे के अंदर लाइसर्जिक एसिड डाइथाइलमाइड (एलएसडी) नामक मादक पदार्थ है। इसे मैं अविनाश के साथ मिलकर डार्क वेब से क्रिप्टोकरंसी की ओर से पेमेंट कर नीदरलैंड से डाक के माध्यम से एलएसडी (मादक पदार्थ) मंगाया है,

जिसका वजन 12.80 ग्राम, सिल्वर पेपर सहित वजन 02.23 ग्राम और एलएसडी का कुल वजन 01.74 ग्राम पाया गया इसका अनुमानित मूल्य आठ लाख रुपये है।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि वहीं एक अन्य मामले में पुदांग ओपी पुलिस ने कृष्ण कुमार महतो को ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पकड़ा। इस मामले में पुलिस ने 253 पुड़िया ब्राउन शुगर और 4600 रुपये नकद बरामद किया। आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जापान ऑन कैनवास राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में विवान शौर्य ने जीता आउटस्टैंडिंग परफॉरमेंस अवार्ड

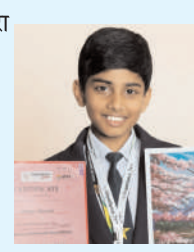

रांची(बिभा): एक्सपीरियंस जापान द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 'जापान ऑन कैनवास 2025-26' के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। इस प्रतियोगिता में रांची के जेवीएम श्यामली के चौथी कक्षा के छात्र विवान शौर्य ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 'आउटस्टैंडिंग परफॉरमेंस अवार्ड' अपने नाम किया है। साल 2013 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता अब अपने 11वें संस्करण में प्रवेश कर चुकी है। इस वर्ष 'जापान ऑन कैनवास 2025-26' का आयोजन जापान दूतावास के 'जापान मंथ' उत्सव के तहत किया गया था। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पूरे भारत वर्ष से चयनित 206 स्कूलों से लगभग 4876 छात्रों ने भाग लिया था। विवान ने कैटेगरी-1 (कक्षा 4 से 6) में हिस्सा लिया था, जिसका विषय 'माउंट फुजी और चेरी ब्लॉसम' था। कड़ी प्रतिस्पर्धा और कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद चुने गए पुरस्कार विजेताओं में विवान शौर्य झारखंड राज्य से एकमात्र विजेता हैं। उनकी इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य समरजीत जाना ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही, उनकी ड्राइंग शिक्षिका सपना दास, नीतू सिंह और कक्षा अध्यापिका शीतल कुमारी ने भी विवान की इस रचनात्मक सफलता पर गर्व व्यक्त किया है।

मॉनिटरिंग टीम ने की बीएयू में गेहूं और जौ के अनुसंधान कार्यों की सराहना

रांची(बिभा)। भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा की एक मॉनिटरिंग टीम ने गुरुवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) का दौरा किया और गेहूं एवं जौ संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत बीएयू में चल रहे शोध कार्यों की समीक्षा की। मॉनिटरिंग टीम में करनाल से पहुंचे वरीय वैज्ञानिक (पौधा प्रजनन) डॉ संतोष बिश्नोई और डॉ रवीन्द्र कुमार (पौधा रोग) शामिल थे। मौके पर बीएयू में परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ सूर्य प्रकाश ने बताया कि टीम ने प्रायोगिक प्रक्षेत्रों के भ्रमण के बाद शोध कार्यों की सराहना की और जौ की छिलका रहित किस्मों पर ज्यादा शोध कार्य करने पर बल दिया, ताकि बेहतर लाभ के लिए किसानों के बीच छिल्का रहित जौ किस्मों को प्रसारित किया जा सके। टीम ने बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे और अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह से भी मुलाकात की और गेहूं और जौ के क्षेत्र में झारखंड के लिए शोध प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

मारवाड़ी भवन परिसर में 01 मार्च को कवि सम्मेलन

रांची(बिभा)। कवि सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से 01 मार्च को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। शहर के सभी वर्गों के लोगों को आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी मुख्य संयोजक पवन शर्मा ने महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि आयोजन की सफलता के लिए विभिन्न उपसमितियों का गठन किया गया है। मंच और सुरक्षा, स्वागत, अर्थ संग्रह, प्रशासनिक कार्य, अल्पाहार एवं प्रेस-प्रचार की जिम्मेदारी अलग-अलग सदस्यों को सौंपी गई है। वहीं समिति के अध्यक्ष पवन पोद्दार ने कहा कि होली के अवसर पर होने वाले इस हास्य कवि सम्मेलन का शहरवासियों को बेसब्री से इंतजार रहता है। मंत्री अंजय सरावगी ने बताया कि प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर, होर्डिंग और सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। प्रवक्ता सह कोषाध्यक्ष मनोज बजाज ने बताया कि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवि श्रृंगार रस के विष्णु सक्सेना (उत्तर प्रदेश), हास्य रस के आदित्य जैन (कोटा), सुनील जोगी (नई दिल्ली), ख्याली शरण (राजस्थान), श्रद्धया सोर्या पीपुल (नागपुर) तथा वीर रस के पार्थ नवीन (प्रतापगढ़) शिरकत करेंगे।

रंग रंगीलो श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में की गई अखंड ज्योति पाठ

रांची(बिभा)। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में रंग रंगीलो श्री श्याम फागण (फाल्गुशन) अमृत महोत्सव के अवसर पर गुरुवार को श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान और वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा ने बाबा का अद्भुत दिव्य श्रृंगार किया। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि मुख्य यजमान ने अखंड ज्योति प्रज्वलित की। इसके बाद आए हुए सभी श्याम भक्तों ने अखंड ज्योति में आहुति देकर अपने इष्ट देव को रिझाया। वहीं कोलकाता से आए ज्योति खन्ना और उनकी टीम ने भक्तों को विभिन्नत मधुर भजनों पर दिन भर झुमाए रखा।

उपायुक्त ने देर रात मतगणना स्थल और अन्य व्यवस्था का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत मतगणना की प्रक्रिया 27 फरवरी को सुबह 08 बजे से शुरू होगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने गुरुवार देर रात मतगणना स्थल और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया और कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया समयबद्ध, गंभीरता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न होनी चाहिए।

जिला प्रशासन की ओर से मतगणना के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिसमें सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, मीडिया कक्ष, कंट्रोल रूम सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

प्रत्याशियों के एजेंटों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए निवार्ची पदाधिकारी (रिटर्निंग अधिकारी) की ओर से जारी किया गया पहचान पत्र अनिवार्य होगा। प्रत्याशियों के एजेंटों को अलग से फोटो युक्त पहचान पत्र साथ रखना भी अनिवार्य है। मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा।

उपायुक्त ने कहा कि मतगणना की प्रक्रिया निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कदम उठाए गए हैं। सभी एजेंटों, प्रत्याशियों और अन्य संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

उपायुक्त ने कहा कि मतगणना से मतगणना के परिणाम के बाद पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि असामाजिक तत्वों की ओर से कोई भी घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके। मतगणना स्थल पर भी पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स मजिस्ट्रेट के प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी तत्वों पर जिला प्रशासन की पैनी निगाहें है।

इस दौरान उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वहीं, राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में मतगणना 27 फरवरी को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस प्रक्रिया के लिए व्यापक व्यवस्था की है, जिसमें मतगणना सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि धनबाद नगर निगम को छोड़कर शेष सभी नगर निकायों के परिणाम 27 फरवरी को ही देर शाम तक घोषित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मतगणना को लेकर सभी जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। राज्य भर में कुल 1309 टेबलों पर एक साथ मतगणना होगी। पार्षद और मेयर-अध्यक्ष दोनों पदों के मतों की गिनती एक साथ की जाएगी। मतगणना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसको लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। मतगणना स्थलों पर सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

झारखंड के चार जिलों में लगेगा एमआरआई, 20 में मैमोग्राफी मशीन

बिभा संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य विभाग राज्य के चार जिले रामगढ़, गिरिडीह, देवघर और कोडरमा में जल्द एमआरआई मशीन उपलब्ध कराएगा। साथ ही 20 जिलों में मैमोग्राफी मशीन की खरीद की प्रक्रिया भी शुक्रवार से शुरू कर दी गई है। यह निर्णय स्वास्थ्य विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में गुरुवार को लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने की। मौके पर उन्होंने बिल्डिंग कॉरपोरेशन को एमआरआई मशीन लगाने के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जिलों में एमआरआई मशीन नहीं होने से मरीजों को बड़े शहरों या राजधानी रांची जाना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की बबार्दी होती है। उन्होंने कहा कि कई बार आपात स्थिति में गंभीर परेशानियां भी उत्पन्न हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि जिलों में ही उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से ही 20 जिलों में मैमोग्राफी मशीन की खरीदने का भी निर्देश दिया गया है ताकि महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर जांच और इलाज हो सके। इसके अलावे राज्य के पांच मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब स्थापित करने की तैयारी भी की जा रही है। इससे हृदय रोगियों को अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। बैठक में एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, विद्यानंद शर्मा पंकज, अपर सचिव, सिद्धार्थ सान्याल, डीआईसी, ललित मोहन शुक्ला, संयुक्त सचिव, सीमा कुमारी उदयपुरी, ध्रुव प्रसाद सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएमपीडीआई एवं डब्ल्यूवीएस होप के बीच एक एमओए पर हस्ताक्षर

बिभा संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई ने अपनी सीएसआर परियोजना करूणा के अंतर्गत समर्पित पशु बचाव एम्बुलेंस उपलब्ध करवाने हेतु डब्ल्यूवीएस होप, रांची के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया। इस पहल का उद्देश्य रांची नगर निगम क्षेत्र में पशु जन्म नियंत्रण और बेसहारा कुत्तों के रेबीज रोधी टीकाकरण के माध्यम से जन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना है। इस समझौता ज्ञापन पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) डॉ0 शिशिर दत्ता और डब्ल्यूवीएस होप की कोषाध्यक्ष सुश्री शालिनी सिन्हा ने हस्ताक्षर किए।

पशु बचाव समर्पित एम्बुलेंस, रांची स्थित डब्ल्यूवीएस होप को स्थानीय जनता, सीएमपीडीआई-रांची, नगर निगम और अन्य एजेंसियों की तरफ से आने वाली कॉलों पर नसबंदी और रेबीज रोधी टीकाकरण के लिए तुरंत प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगी। यह एकीकृत दृष्टिकोण बेसहारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के साथ-साथ रेबीज के प्रकोप को रोकने में भी सहायक होगा जिससे रांची में जन स्वास्थ्य को मजबूती मिलेगी।

यह पहल सीएमपीडीआई की जन स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, साथ ही साथ बेसहारा पशुओं के दयालु, वैज्ञानिक और मानवीय प्रबंधन को बढ़ावा देती है, जो उसकी जिम्मेदार और जन-केंद्रित सीएसआर का एक हिस्सा है।

राज्य सरकार दिव्यांगजनों के हितों के प्रति जागरूक : जटाशंकर

रांची। पैरालंपिक कमिटी ऑफ झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष सह पूर्व आईएएस जटाशंकर चौधरी ने मोरहाबादी के पास शुक्रवार को पैरालंपिक कमिटी ऑफ झारखंड के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान पूजा-अर्चना के बाद समिति के अध्यक्ष जटाशंकर चौधरी ने झारखंड सरकार को कार्यालय उपलब्ध कराने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार दिव्यांगजनों के हितों के प्रति जागरूक है। उनके उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जटाशंकर ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा सामने लानी चाहिए, उन्हें उचित मंच तक पहुंचाने की जिम्मेदारी समिति की है। प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी हैं। निकट भविष्य में झारखंड की पैरालंपिक टीम राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेगी। मौके पर समिति के सचिव कुमार गौरव, उपाध्यक्ष शुभाशीष झा, सचिव हीरालाल टुडू सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

झारखंड में खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को लिखा है कि अवैध बालू तस्करी के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान एक बार फिर खनन माफियाओं के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। पाकुड़ जिले में जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी की ओर से अवैध परिवहन कर रहे बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त किए जाने की कार्रवाई के दौरान दिलवर हुसैन, अब्दुल आहद और कुछ अन्य लोगों ने मारपीट की थी। वहीं पूर्व में भी कई जिले में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यहां तक कि खनन रोकने पहुंचे अधिकारियों को कुचलने तक का प्रयास किया गया है, जो कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। यह कोई अकेली घटना नहीं है।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों पर हमला करना स्थानीय माफियाओं के वश की बात नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री की छत्रछाया में अवैध खनन को संचालित करने वाला सिंडिकेट है, जो चाईबासा से लेकर संताल तक और पलामू से लेकर कोल्हान तक सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि पाकुड़ पुलिस बगैर तुष्टिकरण और राजनीतिक दबाव के उक्त मामले में सख्त कार्रवाई करे। साथ ही पुलिस हमलावरों के साथ इस धंधे को चलाने और कंट्रोल करने वाले माफियाओं को पकड़े, ताकि अवैध खनन और प्रशासन पर हमले जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सरकार के संरक्षण में हो रहा चार्टर्ड एयर एम्बुलेंस घोटाला : मरांडी

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एयर एम्बुलेंस सेवा को हेमंत सरकार की बहुप्रचारित योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन हालिया दुखद हवाई हादसे ने इसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने वाली कम्पनी ने मरीज को 30 प्रतिशत से अधिक बर्न इंजरी का हवाला देकर सरकारी सब्सिडी देने से इनकार कर दिया। बाद में उसी मरीज को 5 लाख के बजाय 8 लाख रुपये किराया तय होने पर दिल्ली ले जाने के लिए तैयार हो गए। बाबूलाल ने कहा कि राज्य में न जाने कितने ऐसे बहाने बनाकर रोज गरीबों को लूटा जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हेमंत सरकार कुछ तो शर्म करे। मुख्यमंत्री ढीठ की तरह कमीशन खा रहे हैं, लेकिन कमीशन के लिए गरीबों को कर्ज लेना पड़ जाता है। कहा कि मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि सरकार ने 30 प्रतिशत बर्न इंजरी तक ही सब्सिडी देने का निर्णय क्यों लिया है। क्या इस निर्णय में किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की स्पष्ट राय शामिल थी। यदि 30 प्रतिशत से अधिक बर्न इंजरी की स्थिति में हवाई यात्रा असुरक्षित है, तो फिर अधिक राशि लेकर उसी मरीज को ले जाने की सहमति कैसे दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी बताया गया है कि 28 अप्रैल 2023 से चल रही हवा हवाई एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ अबतक बमुश्किल एक दर्जन लोगों को ही मिला है, उसमें चार मंत्री ही शामिल हैं और सरकार ने इस बार भी बजट में इसके लिये 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। चार्टेड एयर सेवा में एक बड़ा घोटाला है।

यूआईडीएआई ने गूगल मैप्स पर अधिकृत आधार केंद्रों को प्रदर्शित करने के लिए गूगल के साथ साझेदारी की

बिभा संवाददाता

रांची : रांची में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गूगल और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के बीच गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। चाणक्य बीएनआर होटल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधार आधारित सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सहज एवं नागरिक-केंद्रित बनाते हुए डिजिटल सेवाओं की पहुंच को व्यापक करना है।

इस पहल से देश भर के निवासियों के लिए अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच में आसानी होगी और सुविधा में बढ़ोत्तरी होगी। इस पहल से नागरिकों को आधार केंद्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी। साथ ही वयस्क नामांकन, बाल नामांकन या केवल पता और मोबाइल नंबर अपडेट जैसी सेवाओं से संबंधित केन्द्रों की सटीक जानकारी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, केंद्र की सुगमता से संबंधित जानकारी, जैसे दिव्यांग-अनुकूल बुनियादी ढांचा, पार्किंग सुविधा की उपलब्धता और संचालन समय संबंधी जानकारी को प्रदर्शित किया जाएगा जिससे नागरिकों को और अधिक सुविधा मिलेगी।

इस सहयोग का उद्देश्य जनसुविधा को बढ़ाना, गलत सूचनाओं से बचना और यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों को देशभर में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्रों (एएसके) सहित 60,000 से अधिक आधार केंद्रों तक निर्बाध पहुंच प्राप्त हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जब उपयोगकर्ता गूगल मैप?स पर खोज करेंगे, तो उन्हें सत्यापित आधार केंद्रों तक निर्देशित किया जाएगा।

यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश कुमार ने कहा कि यूआईडीएआई का उद्देश्य हमेशा आधार नंबर धारकों के जीवन में सुगमता लाने पर केंद्रित रहा है। यह सहयोग सुनिश्चित करेगा कि अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच अब आसान, तेज और अधिक पारदर्शी होगी।

गूगल इंडिया की रणनीतिक साझेदारी की कंट्री हेड रोली अग्रवाल ने कहा कि यूआईडीएआई के साथ मिलकर सत्यापित आधार केंद्रों को एकीकृत करने से, हम लाखों निवासियों के लिए भरोसेमंद सेवाओं को विश्वास के साथ ढूंढना आसान बना रहे हैं और आवश्यक सरकारी बुनियादी ढांचे और उन लोगों के बीच के अंतर को पाट रहे हैं जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 50-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 23.02.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल- लो इंसुलेशन/त्रुटिपूर्ण सिग्नलिंग केबल का प्रतिस्थापन"। **निविदा मूल्य:** रु. 2,59,78,284.80, **बयाना राशि:** रु. 2,79,900/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 18.03.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www.ireps.gov.in

ASN-368/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

स्वदेशी सेल स्टील से बना है भारतीय नौसेना बेड़े में होगा आईएनएस अंजदीप

बिभा संवाददाता

बोकारो : देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) द्वारा निर्मित आईएनएस अंजदीप (INS Anjadip) के लिए जरूरत की पूरी मात्रा की स्पेशल ग्रेड स्टील की आपूर्ति की है। आईएनएस अंजदीप भारतीय नौसेना में शामिल होने जा रहा तीसरा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) कार्वेट है। इससे पहले पिछले साल आईएनएस अरनाला और आईएनएस एंड्रोथ भी शामिल किए जा चुके हैं। नौसेना के पुराने होते 'अभय-श्रेणी' के जहाजों को बदलने के लिए इन ASW-SWC कार्वेट का निर्माण स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। इस रणनीतिक प्रयास में योगदान देते हुए, सेल (SAIL) ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) द्वारा बनाए जा रहे आठ ASW-SWC कार्वेट के लिए लगभग 3,500 टन विशेष-ग्रेड स्टील की पूरी मात्रा की आपूर्ति की है। इस स्टील की आपूर्ति सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों से की गई है, जो देश की डोमेस्टिक सप्लाई चेन की मजबूती को रेखांकित करता है।

यह उपलब्धि रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने, आयात पर निर्भरता कम करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। पिछले कुछ वर्षों में, सेल ने रक्षा स्वदेशीकरण में देश की विशेष-ग्रेड स्टील की जरूरतों को लगातार पूरा किया है और आईएनएस विक्रांत, आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस सूरत जैसी अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए स्टील की आपूर्ति की है।

बीएसएल द्वारा आयोजित ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्रके निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 का फाइनल मुकाबला 26 फरवरी को मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में खेला गया, जिसमें भर्रा कने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया. रोमांचक फाइनल मैच में भर्रा कने आदिवासी क्लब, पारटांड को 02 - 01 से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया.

समापन समारोह में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. अपने संबोधन में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं के विकास हेतु बीएसएल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा खिलाड़ियों को अनुशासन, टीम भावना और निरंतर अभ्यास के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री चितरंजन मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजना) श्री अनीश सेन गुप्ता, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) डॉ. बी. बी. करुणामय तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी सह कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री एस. के. भारद्वाज सहित बीएसएल के सीएसआर एवं खेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता 13 से 26 फरवरी 2026 तक बोकारो के कुमार मंगलम स्टेडियम तथा ट्रेनीज हॉस्टल फुटबॉल ग्राउंड, सेक्टर-क्कक्क में आयोजित की गई. इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 52 टीमों ने भाग लिया, जिनमें 48 टीमें परिधीय गांवों से, 02 टीमें झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस सेतथा 02 महिला टीमें शामिल थीं. महिला टीमों की पहली बार भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही और उन्होंने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर उत्साह एवं प्रशंसा अर्जित की. समारोह के अंत में मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर उन्हें बधाई दी तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

संक्षिप्त खबरें

चैंबर का होली मिलन समारोह सह सौर ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो(बिभा)। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं टाटा पावर के संयुक्त तत्वावधान में होली मिलन समारोह सह सौर ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में टाटा पावर के क्षेत्रीय प्रमुख कुंदन कुमार एवं पंजाब नेशनल बैंक, बोकारो मंडल के वरीय प्रबंधक तथा प्रधानमंत्री सूर्या घर योजना प्रभारी श्री मनीष कुमार ने उपस्थित उद्यमियों एवं व्यापारियों को सौर ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत एवं सरल भाषा में जानकारी प्रदान की। अध्यक्ष मनोज चौधरी ने सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए कहा कि चास क्षेत्र में लंबे समय से बिजली एवं पानी की समस्या बनी हुई है। ऐसी परिस्थितियों में सौर ऊर्जा एक प्रभावी एवं व्यवहारिक विकल्प साबित हो सकता है। चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की स्थिति चिंताजनक है। साथ ही, विद्युत आपूर्ति की असंतोषजनक स्थिति को देखते हुए सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। श्री मनीष कुमार ने सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने हेतु उपलब्ध ऋण एवं सरकारी सब्सिडी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। टाटा पावर के बोकारो जिला के डिस्ट्रीब्यूटर एवं चैनल पार्टनर ह्यसूर्य मित्र इंटरप्राइजेजह्व के श्री अमित पाण्डेय ने कहा कि परियोजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी आवश्यक होने पर उनके द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन संजय अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर संरक्षक शिव कुमार मेहारिया, विनय सिंह, नरेंद्र सिंह, राजकुमार, देव कुमार, श्रवण अग्रवाल, राजेश राय, जैना मोड़ चैंबर के अध्यक्ष संजय सिंह, मनोज जय, रवि गुप्ता, ज्ञानचंद जायसवाल, अनूप भालोटिया, प्रदीप अग्रवाल, प्रेम कुमार, अनिल सिंह सहित बड़ी संख्या में उद्यमी एवं व्यापारी उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से गूंजा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, होली मिलन समारोह में रंग-राग की बहार

बोकारो (बिभा): गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के भाई नंदलाल जी सभागार में गुरुवार को आयोजित होली मिलन समारोह-2026 हर्ष, उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। शिक्षक-शिक्षिकाओं की रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों और अबीर-गुलाल की छंटा ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रार्थना से हुआ, उसके बाद शिक्षकों ने 'रंग बरसे', 'होली खेले रघुवीरा' और 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे लोकगीतों पर समूह नृत्य प्रस्तुत किए। ब्रज फाग, भोजपुरी होरी और फगुआ गीतों ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। एथनिक परिधानों में सजे शिक्षकों ने अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं।प्राचार्य अभिषेक कुमार ने उद्बोधन में कहा, ₹होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि हृदयों के मिलन और वैमनस्य त्याग का पर्व है।₹ प्रबंधन समिति अध्यक्ष तरसेम सिंह ने सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का आह्वान किया, जबकि सचिव एस.पी. सिंह ने इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया।अतिथि जसपाल सिंह, जसपाल कौर और शीला मिश्रा की मौजूदगी ने समारोह को और भव्य बनाया। कार्यक्रम मधुर स्मृतियों के साथ समापन हुआ।

निर्मलडीह में बरन समाज ने धर्मशाला निर्माण का भूमि पूजन धूमधाम से किया

तुपकाडीह (बोकारो) (बिभा): तुपकाडीह के निर्मलडीह गांव में बरन समाज के लोगों ने गुरुवार को प्रस्तावित धर्मशाला निर्माण का भूमि पूजन उत्साहपूर्वक सम्पन्न किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।सर्वप्रथम तेनु बोकारो नहर से जलयात्रा शुरू हुई, जिसमें महिलाओं ने जल कलश लेकर गाजे-बाजे और जयकारों के साथ मंडप पहुंची। पुरोहित कुलदीप पांडेय ने मुख्य यजमान भोला वर्णवाल दंपति के हाथों विधि-विधान से विश्वकर्मा पूजन, वास्तु पूजन, अष्टकूली नाग देवता पूजन, हवन और आरती करवाई।समाज के दीपू वर्णवाल ने बताया, ₹काफी समय से समाज के लोगों की इच्छा थी कि अपना एक धर्मशाला हो, ताकि बिरादरी के लोग इसका इस्तेमाल कर सकें। आज भूमि पूजन से यह इच्छा पूरी होती दिख रही है।₹धर्मशाला निर्माण से स्थानीय समुदाय को विवाह, धार्मिक आयोजन आदि के लिए सुविधा मिलेगी।

सेक्टर 1 पत्थरकटा चौक पर ऑटो ने ठेले को मारी ठोकर, बुजुर्ग घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 1 पत्थरकटा चौक से हवाई अड्डा मार्ग पर बुधवार देर शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। ठेले पर फेरी लगाकर रोजी-रोटी चलाने वाले एक बुजुर्ग और उनके पुत्र को तेज रफ्तार से आ रही मॉरिस ब्रेड कंपनी की ऑटो ने जोरदार धक्का मार दिया। इससे ठेले पर रखा प्याज-लहसुन सड़क पर बिखर गया और बुजुर्ग दूर जाकर गिर पड़े।घायल बुजुर्ग को सिर पर गंभीर चोटें आईं तथा वे लहूलुहान हो गए। उनके पैरों में भी गहरी चोटें लगी हैं। ठेले वाले के पुत्र के हाथ पर भी गंभीर घाव हुआ है। उधर, इसी दौरान रास्ते से गुजर रही एक बलेनो कार को ऑटो चालक ने बचाने के प्रयास में अपनी गाड़ी का नियंत्रण खो दिया। टक्कर के बाद बलेनो के आगे के बोनेट का साइड हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ब्रेक फेल होने से बलेनो ड्राइवर ने किसी तरह दूर जाकर गाड़ी रोकी और अपनी जान बचाई। धक्के के बाद मॉरिस ब्रेड ऑटो भी पलट गई। स्थानीय लोगों ने फौरन मदद की। उन्होंने क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को सीधा किया तथा सड़क पर बिखरा सामान समेटकर ठेले मालिक को सौंपा। ठेले मालिक ने बताया, ₹मेरा काफी नुकसान हुआ है। हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया है।₹ बलेनो मालिक ने ऑटो चालक को पकड़कर क्षतिग्रस्त गाड़ी की मरम्मत की मांग की। ऑटो चालक ने सफाई दी कि वह तेज गति से आ रहा था और एक अन्य गाड़ी को बचाने के चक्कर में हादसा हो गया। उसने अपने मालिक को फोन कर सूचना दी।मौके पर पहुंचे प्रशासन ने घायल ठेले मालिक को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। ठेला और ऑटो को थाने ले जाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलकुशा मोड़ में आदर्श बुक सेंटर का शुभारंभ

तलगडिया(बोकारो)। अलकुशा मोड़ में गुरुवार को आदर्श बुक सेंटर का विधिवत उद्घाटन सेवानिवृत्त शिक्षक तापस खवास के करकमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर क्षेत्र के शिक्षाविदों, विद्यालय प्रतिनिधियों और स्थानीय गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस मौके पर तापस खवास ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एक ही छत के नीचे विभिन्न स्कूलों की पाठ्यपुस्तकें एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध होने से अभिभावकों और विद्यार्थियों को काफी सहूलियत मिलेगी। अब किताबों के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीजीपीएस चास के अध्यक्ष तरसेम सिंह, शिक्षक नकुल महतो, संचालक जयदेव महतो, अशोक चौबे, अशोक चौधरी, मुकुंद मुरारी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य सुजाता कुमारी, रानी कुमारी सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सेल प्रबंधन पर बीएकेएस का हमला: एसईएसबीएफ फंड को एनपीएस में डालने से पहले कर्मचारियों की सहमति लें, नहीं तो कोर्ट जाएंगे

बिभा संवाददाता

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के गैर-अधिशासी कर्मचारी संघ ने एसईएसबीएफ ट्रस्ट के चेयरमैन व एचआर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव पांडे को पत्र लिखकर फंड को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में हस्तांतरित करने के निर्णय पर कड़ा ऐतराज जताया है। संघ ने मांग की है कि कर्मचारियों के वेतन से कटे फंड को बिना लिखित सहमति के एनपीएस में न डाला जाए।विवाद की पृष्ठभूमि2 फरवरी 2026 को कोलकाता में आयोजित एसईएसबीएफ ट्रस्ट की 50वीं बैठक और मैनेजिंग ट्रस्टीज की 86वीं बैठक में बिना कर्मचारियों की सहमति के फंड को एनपीएस में ट्रांसफर करने का फैसला लिया गया। संघ अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि यह धन 100 प्रतिशत कर्मचारियों का है, जिसमें सेल प्रबंधन का कोई योगदान नहीं। उन्होंने इसे ₹तानाशाही भरा और एकतरफा₹ करार दिया। 1989 में गठित यह ट्रस्ट मूल रूप से अतिरिक्त पेंशन के लिए था, जो बाद में निवेश फंड बना।मुख्य आपत्तियांसहमति की कमी: अप्रैल 2026 से नए 2% अंशदान पर सहमति लेने का नियम है, लेकिन पुराने फंड को बिना पूछे एनपीएस में डालना गलत।अवैध प्रतिनिधि: बैठक में 15 यूनियन प्रतिनिधियों में से सिर्फ 3 निर्वाचित व मान्यता प्राप्त हैं; बाकी 12 गैर-निर्वाचित व गैर-रिकग्नाइज्ड। मैनेजिंग ट्रस्टीज भी इसी स्थिति में।कानूनी पेंच: दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ व कोलकाता हाईकोर्ट में यूनियन मान्यता के मामले लंबित।संघ ने चेतावनी दी कि सहमति न लेने पर सभी ट्रस्टीज के खिलाफ कोर्ट जाएंगे। पत्र की कॉपी सेल चेयरमैन, डायरेक्टर फाइनेंस व स्टील सेक्रेटरी को भेजी गई।यूनियन का बयानहरिओम ने कहा, ₹सेल की सभी कमेटियों व ट्रस्टों में अवैध प्रतिनिधि भरे हैं। प्रबंधन सिर्फ संरक्षक है, मालिक नहीं। निवेश का फैसला सिर्फ कर्मचारियों का अधिकार है।₹ यह विवाद सेल कर्मचारियों के पेंशन व वित्तीय हितों को लेकर नया मोड़ ले सकता है।

सिटी पार्क में विप्र होली मिलन समारोह सह स्थापना दिवस 1 मार्च को

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला द्वारा स्थानीय सिटी में आयोजित प्रेसवार्ता में समाज के जिला अध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र एवं महासचिव श्रवण कुमार झा ने जानकारी दी कि 1 मार्च 2026, रविवार को अपराह्न 4.00 बजे से बोकारो के सिटी पार्क में पश्चिमी गेट की तरफ (पूर्व में आयोजित होने वाले वसंत मेला स्थल पर) आयोजित होने वाले विप्र होली मिलन समारोह सह स्थापना दिवस को लेकर विप्रगणों में भारी उत्साह है तथा इसे भव्य एवं यादगार बनाने के लिए सारी तैयारियां पूरे जोरशोर से पूरी की जा रही हैं। बोकारो में विप्र होली मिलन समारोह दो दशकों से भी अधिक समय से लगातार आयोजित किया जा रहा है जिसमें पूरे प्रदेश से अनेकों विप्रश्रेष्ठ उपस्थित होते हैं। अध्यक्ष श्री मिश्र ने कहा कि संपूर्ण विप्र समाज सदैव विप्रों के सुख-दुख में खड़ा है। उन्होंने होली मिलन सह स्थापना दिवस समारोह में बोकारो जिला के सभी विप्रों से सपरिवार आने का आग्रह किया है। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से अध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र, महासचिव श्रवण कुमार झा सहित दिवाकर दुबे , अशोक कुमार मिश्र, संजय मिश्र, शैलेन्द्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

सीबीएसई की डिजिटल क्रांति के लिए डीपीएस बोकारो तैयार, ऑन-स्क्रीन मॉक इवैल्यूएशन में शामिल हुए शिक्षक

पारदर्शी, त्रुटिरहित और सटीक मूल्यांकन में नई प्रणाली कारगर : डॉ. गंगवार

बिभा संवाददाता

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के निदेर्शानुसार डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली सुचारू बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को आयोजित ऑन-स्क्रीन मार्किंग की राष्ट्रव्यापी सघन मॉक इवैल्यूएशन में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के शिक्षक भी शामिल हुए। कक्षा 11 और 12 के शिक्षकों ने अपराह्न 12.30 बजे से 01.00 बजे तक चले इस विशेष अभ्यास सत्र में अपने स्कूल से ही लॉग-इन कर स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं का ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन किया और अंक भी दिए। विद्यालय के कंप्यूटर लैब में दर्जनों शिक्षक इस व्यापक अभ्यास का हिस्सा बने। सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने पूरे अभ्यास सत्र का नेतृत्व किया तथा इस प्रणाली की बारीकियों से अवगत भी कराया। उन्होंने बताया कि सीबीएसई ने 2026 की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं से ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली शुरू की है, जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करके कंप्यूटर स्क्रीन पर डिजिटल रूप से जांचा जाएगा। यह नई तकनीक पारदर्शी, त्रुटिरहित और समयबद्ध सटीक मूल्यांकन में काफी कारगर है। इससे अंकों की गिनती में होने वाली गलतियां कम हो जाएंगी। साथ ही, समय पर परिणाम भी घोषित किए जा सकेंगे। वास्तविक मूल्यांकन शुरू होने से पूर्व यह मॉक इवैल्यूएशन शिक्षकों के लिए काफी सहायक साबित होगा। सीबीएसई डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को पूरी तरह सुचारू बनाने की दिशा में गंभीरता से काम कर रहा है और यह मॉक अभ्यास इसी प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। डीपीएस बोकारो सीबीएसई की इस डिजिटल क्रांति के लिए तैयार है।

सेक्टर वन में उन्नति फाउंडेशन ने होली मिलन एवं स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

बिभा संवाददाता

बोकारो : उन्नति फाउंडेशन ने सेक्टर वन-बी में होली मिलन समारोह के साथ अपनी स्थापना का छठा दिवस धूमधाम से मनाया। संस्थापिका अर्चना सिंह ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम-भाईचारे और संस्था की प्रगति के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। छह वर्ष पूरे होने पर केक काटकर सभी ने उत्सव की शुरूआत की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के लोकप्रिय विधायक राज सिन्हा ने शिरकत की, जिनके प्रेरक विचारों ने आयोजन को नई ऊर्जा प्रदान की। विशिष्ट अतिथियों में सुनीता शाहू, ललिता सिंह, कुसुम सिंह और गीता सिंह शामिल रहीं। होली के पारंपरिक गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रंग-गुलाल के माध्यम से सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। स्थापना दिवस पर संस्था की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।विशेष आकर्षण रहा लोकतंत्र के 'चौथे स्तंभ'—प्रेस एवं मीडिया के सम्मानित पत्रकारों को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित करना। संस्था का मानना है कि समाज जागरूक बनाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।आयोजन को सफल बनाने में फाउंडेशन के पदाधिकारियों—अध्यक्ष बबली सरकार, कोषाध्यक्ष मिली मनी, सचिव पूजा, सुलेखा, जया सरकार, अंजू सिन्हा, सरिता पुरोहित, मोना जसवाल, मौसमी देवी—का सराहनीय योगदान रहा। प्रमुख सदस्यों में सुनीता जैसवाल, रश्मि अन्नू, अर्चना पाराशर, गीता सिंह, भारती, मीणा सिंह, कृष्णा पोद्दार, रेनू पोद्दार, संध्या, रीना पांडे, निभा, जूही, पूजा सरकार, लक्ष्मी, पूनम, अनीता झा, अमिता, संजुक्ता, माधुरी सिंह, इंदु प्रिया, साधना, मनोरमा, इंदिरा, पूनम आंचल, रिंकू, शारदा, दीपमाला, कैंडी, ब्रेंडा, मंजू, उषा, जसविंदर, सविता, स्नेहा, रूमा, काजल, रूबी, रूपा, स्वेता, पिंकी, प्रियंका, डॉ. सरोज, पिंकी नीतू, पुष्पा, मुस्कान आदि हजारों बहनों ने जोकर होली के साथ समारोह को भव्य रूप दिया।

चास स्थित वृद्धा आश्रम में धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास स्थित वृद्धा आश्रम में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के साथ रंग-गुलाल खेला गया और पारंपरिक गीतों पर सभी ने मिलकर नृत्य किया। आयोजन का उद्देश्य बुजुर्गों के जीवन में खुशियां और अपनापन भरना था। उपस्थित लोगों ने बुजुर्गों को मिठाई खिलाई, उनके साथ समय बिताया और उनका आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर डॉ. संघमिता सिंह, सोनिया बेनर्जी समेत उनके परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद कर उन्हें सम्मानित महसूस कराया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक फोटो सेशन हुआ और सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह ने प्रेम, सौहार्द और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

रंग रंगीला फाल्गुन उत्सव में श्याम ध्वजा से रंगा रामगढ़

प्रकाश पटवारी

रामगढ़ः गुरूवार को फाल्गुन माह कि द्वादशी को रामगढ़ श्री श्याम निशान से पटा रहा, हर कोई जय श्री श्याम का जयकारा करते अपनी श्रद्धा प्रकट करते श्री श्याम निशान यात्रा में चल रहे थे।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित द्वितीय श्री श्याम फाल्गुन उत्सव के पहले दिन आज रामगढ़ फुटबॉल छावनी मैदान सुबह 11 बजे से निशान यात्रा नगर भ्रमण में निकली। सर्वप्रथम आज के मुख्य जजमान राजू चौधरी शपथनीक निशान पूजन प्रमुख बनवारी महाराज के द्वारा कराया गया। तत्पश्चात निशान यात्रा प्रारंभ हुई और बाबा श्याम के जयकारे के साथ आगे की ओर बढ़ने लगे। यात्रा में तरह-तरह की झांकियां थी जिसमें प्रमुख बाबा श्याम का दरबार व देवों के साथ चल रही थी। मार्ग में आने जाने वाले हर व्यक्ति को प्रसाद वितरण किया जा रहा था। रास्ते में कई जगह बाबा की सवारी का दर्शन कर-के बाबा का भोग लगाकर आरती एवं माला चढ़कर अपने भक्तिमय एहसास का परिचय दिया। निशान यात्रा आरंभ होते ही जैसे-जैसे निशान यात्रा बढ़ रही थी भक्त भी बढ़ते जा रहे थे। मानव कलयुग के दातार श्री श्याम प्रभु अपनी कृपा सब पर बरसा थे। जहां-जहां से बाबा की सवारी आगे की

ओर बढ़ रही थी लोग उत्साहित होकर उनका स्वागत कर रहे थे आरती उतार रहे थे माल्यार्पण कर प्रसाद चढ़ा रहे थे, मनोज बंसल ने भगवान की आरती उतारी तत्पश्चात श्री मारवाड़ी धर्मशाला संस्था, आभूषण संघने बाबा का स्वागत किया जैसे-जैसे कारवां आगे बढ़ता था पंजाबी हिंदू बिरादरी जैन समाज मारवाड़ी महिला मंच एवं रोटरी क्लब के लोगों ने बाबा का स्वागत किया। राधा कृष्ण की छवि देखकर लोगों को लगा की वृंदावन रामगढ़ में उतर गया है। ताशा पार्टी अपना अलग ही एक पहचान बनाकर वादन कर रही थी। ट्रक पर श्री हनुमान जी एवं भगवान गणेश की प्रतिमा अलग-अलग सजाई गई थी। रथ के ऊपर राधा कृष्ण बैठे हुए थे। हजारों की संख्या में महिलाएं निशान लेकर आगे की ओर बढ़ रही थी। पूरा पुलिस प्रशासन सेवा भाव से अपने ड्यूटी पर सावधानी से और बड़े आहो भाव से बाबा की यात्रा को आगे बढ़ा रहे थे पूरा रास्ता गुलाब है फूलों से लग गया था। होली के भाव में डूबे हुए भक्त एक दूसरे पर गुलाल चरक रहे थे। कुछ भक्त भक्त जो चलने में असमर्थ थे उनके लिए टोटो गाड़ियां उपलब्ध कराई गई थी। बाबा की दरबार से हर समय प्रसाद बढ़ता रहा।। जैसे जैसे बाबा की यात्रा आगे बढ़ी रामगढ़ छावनी फुटबॉल ग्राउंड में जाकर यात्रा का विश्राम हुआ एवं कई काउंटर प्रसाद के लगाए गए थे जिसमें हजारों की तादात में भरपूर प्रसाद पाकर लोगों ने बाबा की कृपा प्राप्त की कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष, मंत्री सहित संयोजक राजेश अग्रवाल पठारवा एवं कार्यक्रम के संयोजक विनय अग्रवाल श्याम सेवा ट्रस्ट के सदस्य एवं श्याम प्रेमियों ने भरपूर योगदान दिया।

नगर निगम चुनाव 2026 : मतगणना की तैयारियां पूर्ण, आज होगी मतगणना

बिभा संवाददाता

हजारीबागः नगर निगम चुनाव 2026 के अंतर्गत कृषि उत्पादन बाजार समिति परिसर में संचालित मतगणना केंद्र का उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि प्रकाश सिंह ने निरीक्षण कर मतगणना की अंतिम तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश नियंत्रण, बैरिकेडिंग, मीडिया सेंटर,सीसीटीवी निगरानी, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैठने की व्यवस्था तथा मतगणना कर्मियों हेतु आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए।

ज्ञात हो कि हजारीबाग नगर निगम के 36 वार्डों में संपन्न निर्वाचन के उपरांत 27 फरवरी को मतगणना निर्धारित है। इसके लिए सभी प्रशासनिक एवं सुरक्षा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।उपायुक्त ने कहा कि मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती की जाएगी तथा अधिकृत व्यक्तियों को ही मतगणना केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। मीडिया कर्मी बाजार समिति परिसर में बने मीडिया सेंटर तक ही मोबाइल फोन ले जा सकेंगे। मौके पर उन्होंने मतगणना से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने का निर्देश दिया।जिला प्रशासन ने नागरिकों से मतगणना के दिन विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

जिला प्रशासन की पहल पर रक्तदान शिविर का आयोजन, 28 यूनिट रक्त संग्रहित

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार गुरुवार को समाहरणालय परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।आयोजित शिविर में कुल 28 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान एक पुनीत एवं मानवीय कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में रक्त की कमी न हो। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक दान नहीं, बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। अतः सभी नागरिक इस मानवीय अभियान का हिस्सा बनें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। शिविर के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं संबंधित अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री श्याम टाबरिया द्वारा आज रंग रंगीला फाल्गुन के तहत भव्य एकादशी कीर्तन का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): फाल्गुन मास के पावन अवसर पर भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली संस्था श्री श्याम टाबरिया द्वारा आज , शुक्रवार को शाम 6 बजे से रंग रंगीला फाल्गुन कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य एकादशी कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मालवीय मार्ग स्थित अग्रसेन भवन में होगा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम में धनबाद के प्रसिद्ध भजन गायक मोहित अग्रवाल अपनी मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति देंगे। उनके सुमधुर भजन, संकीर्तन और प्रभु नाम स्मरण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। आयोजकों के अनुसार फाल्गुन का महीना स्वयं में आनंद, उत्साह और भक्ति का प्रतीक है।

धारदार हथियार से हमले में दो बच्चे घायल, दोनों अस्पताल में भर्ती

हजारीबाग(बिभा) : शहर के लोहसिघना थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई कला में टांगी से हमले में दो बच्चे के घायल हो गये। जिन्हें सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस बावत तनवीर कुरेशी पिता मिराज कुरैशी ग्राम मंडई कला ने लोहसिहना थाना में मामला दर्ज कराया है। जिसमें कहा है कि 24 फरवरी को शाम लगभग 7:00 बजे उनके घर से कछ दुर रोशन कलोनी खाली मदान के के पास किसी बात को लकर उनके पुत्र मो वारिस उम्र 17 वर्ष और भतीजा मो फैज उम्र 16 वर्ष पिता जलालुद्दीन कुरैशी को मो कामरान उर्फ इशु, मो गुलाम पिता कलीम अंसारी, शहनवाज उर्फ बाबू पिता मकसूदअसारी एवं अन्य चार अज्ञात युवकों ने पहले लात-घूंसों और डंडा से पीटा। इसके बाद जब मन नहीं भरा तो धारदार हथियार टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे दोनों नाबालिक गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से लथपथ बेटा और भतीजा को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गए। जहां इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया है। दर्ज मामले में तनवीर कुरेशी ने लोहसिघना थाना प्रभारी से कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

मतगणना को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया मतगणना केंद्र का निरीक्षण

लातेहार(बिभा): नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत 27 फरवरी को होने वाली मतगणना कार्य को सफलतापूर्वक, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव द्वारा पोलिटेक्निक कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मतगणना कक्ष, प्रवेश एवं निकास द्वार, बैरिकेडिंग व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अभ्यर्थियों एवं मतगणना अभिकताओं के बैठने की व्यवस्था सहित सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित की जाए तथा पासधारकों को ही प्रवेश दिया जाए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन करते प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना केंद्र के आसपास विधि-व्यवस्था संधारण हेतु विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मतगणना का महासंग्राम आज, आठ बजे से खुलेगी किस्मत की पेटियां

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में बाजार समिति 36 वार्डों के फैसले के साथ महापौर पद पर भी टिकी निगाहें

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग नगर निगम चुनाव 2026 की मतगणना आज शुक्रवार को सुबह आठ बजे से बाजार समिति सिंदूर परिसर में प्रारंभ होगी। जिला प्रशासन ने मतगणना को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। नगर निगम क्षेत्र के कुल 36 वार्डों के लिए उम्मीदवारों की संख्या के अनुरूप मतगणना टेबलों का निर्धारण किया गया है। प्रत्येक टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, एक मतगणना सहायक तथा एक माइक्रो ऑब्जर्वर सहित तीन से चार कर्मियों की नियुक्ति की गई है। बैलेट पेपर से चुनाव संपन्न होने के

कारण मतगणना एक से नौ राउंड तक चलने की संभावना है। सबसे पहले वार्ड पार्षद पद के मतों की गिनती की जाएगी, उसके बाद महापौर पद के लिए पड़े मतों की गणना होगी। 36 वार्ड में से वार्ड 13 एवं वार्ड 36 के प्रत्याशी पूर्व में ही निर्विरोध घोषित हो चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि मतगणना केंद्र पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। बाजार समिति सिंदूर परिसर को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। बाहरी, मध्य और आंतरिक सुरक्षा घेरा बनाकर सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है। पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार की जा रही है। 23 फरवरी को मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत सील कर स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे। नगर निगम चुनाव में इस बार कुल मतदान प्रतिशत लगभग 49.93 से 49.96 प्रतिशत के बीच दर्ज किया गया है। अब पूरे शहर की निगाहें मतगणना परिणाम पर टिकी हैं, जिसके साथ ही यह तय होगा कि नगर निगम की सत्ता किसके हाथों में जाएगी।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मतगणना केंद्र का किया संयुक्त निरीक्षण

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद और पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कृषि बाजार समिति, लोहरदगा में बनाये गए मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान मतगणना केंद्र की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, सभी चेक पॉइंट, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी मोनिटरिंग, मीडिया सेंटर, मतगणना टेबल, मतगणना केंद्र की साफ-सफाई, मतगणना अभिकताओं के लिए बने प्रवेश द्वार व मतगणना हॉल में उनके लिए सुनिश्चित स्थल समेत बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश पदधिकारियों को दिए। सभी प्रतिनियुक्त पदधिकारियों, निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, मतगणना कर्मियों आदि को ससमय मतगणना केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए। मतगणना सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। इस अवसर पर अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दस, सभी निवार्ची पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

खेल स्पर्धा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण : दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले से सभी पीएमश्री विद्यालयों के छात्र छात्राओं के खेलकूद एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय नदिया, हिन्दू,लोहरदगा के मिनी स्टेडियम, लोहरदगा में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन के प्रथम दिवस अंडर 15 और अंडर 17 बालिकाओं के प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलकूद एवं वार्षिकोत्सव का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा दास सुनन्दा चंद्रमौलेश्वर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों की क्षमता किसी भी अन्य विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों से कम नहीं हैं।उनके अंदर भी असीम प्रतिभा है। शिक्षक सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित ना रखें बल्कि उनकी प्रतिभा में खेलकूद के माध्यम से निखार आ रहा है। जिसमें ये छात्र अपना करियर के रूप में चयन कर सकते हैं।

अंडर 15 बालिका में कुल 7 टीमों के द्वारा भाग लिया गया। पहला सेमीफाइनल उत्क्रमित मध्य विद्यालय सढ़ाबे, कैरो और उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बिढ़नी, पेशरार के बीच खेला गया। जिसमें सढ़ाबे विजयी हुआ। द्वितीय सेमीफाइनल केजीबीभी, किस्को और केजीबीभी, सेन्हा के बीच खेला गया। जिसमें केजीबीभी किस्को विजयी हुआ। अंडर 15 फाइनल मैच सढ़ाबे और केजीबीभी, किस्को के बीच खेला गया। जिसमें विजेता केगीबिभी किस्को हुई। तृतीय स्थान पर केगीबिभी सेन्हा की टीम रही।

अंडर 17 बालिका में कुल 5 टीमें भाग ली। फाइनल मैच केगीबिभी सेन्हा और केगीबिभी किस्को के बीच खेला गया।जिसमें पेनाल्टी शूटआउट में केगीबिभी सेन्हा विजयी हुई। उपविजेता केगीबिभी किस्को और तृतीय स्थान पर पीएमश्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुजरा की टीम रही। कल दिनांक 27.02.2026 को अंडर 15 और अंडर 17 बालकों के फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मोनिदेपा बनर्जी,सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, एमलीन सुरीन, क्षेत्र प्रबंधक, आकश कुमार, सीआरपी, जीतेन्द्र मित्तल, खेल शिक्षक पंकज कुमार, रामरती प्रजापति, संजय उरांव, उसुर्ला कुजूर, अनिल उरांव, मोहित मुकेश, रंजू साहू, खुशबू कुमारी, विशाल संदीप कुजूर, संतोष टोप्पो, सुनील तिर्की आदि द्वारा सफलता पूर्वक कार्यक्रम का आयोजन कराया।

मतगणना आज सुबह 8 बजे से, मतो की गिनती दो राउण्ड में

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 अंतर्गत डाले गये मतों की गणना आज दिनांक 27.02.2026 को सुबह आठ बजे से कृषि बाजार समिति, लोहरदगा में बनाये गये मतगणना केंद्र में होगी। मतों की गणना के लिए प्रतिनियुक्त काउंटिंग सुपरवाइजर, काउंटिंग असिस्टेंट, एडिशनल काउंटिंग असिस्टेंट का प्रशिक्षण आज मुख्यमंत्री उत्कृष्ट जिला नदिया हिंदू विद्यालय लोहरदगा में हुआ। प्रशिक्षण का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ ताराचंद ने किया जिसमें उन्होंने मतगणना कर्मियों को त्रुटिरहित मतगणना का कार्य संपन्न कराने का

निर्देश दिया। साथ ही, प्रशिक्षण में बताये गये बिंदुओं और राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निदेशित बिंदुओं का अक्षरशः पालन करने का निदेश दिया।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन अंतर्गत 23 फरवरी को मतदान हुआ था जिसमें कुल 43070 मतदाताओं में से 29643 मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया था। मतों की गिनती दो राउण्ड में होगी जिसके लिए 24 टेबल बनाये गये हैं। मतगणना केंद्र की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। मतगणना में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए वरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

प्रशिक्षण के दौरान अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद दास, जिला शिक्षा पदाधिकारी दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रामगढ़-रांची बॉर्डर पर भारी मात्रा में खाली बोतल एवं लेबल बरामद

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः होली में नकली शराब खपाने का बड़े प्लान प्रषासन द्वारा किया गया नाकाम। गुप्त सूचना के आधार पर आज दिनांक 26 फरवरी 2026 को रामगढ़ जिला उत्पाद विभाग एवं रांची जिला उत्पाद विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से रामगढ़-रांची सीमा पर पतरातु थाना क्षेत्र अंतर्गत तालाटांड़ स्थित श्मशान रोड के समीप छापामारी की गई।

छापामारी के दौरान दोनों जिलों की सीमा के पास स्थित एक निमार्णाधीन एस्बेस्टस शीट वाले मकान से भारी मात्रा में शराब पैकेजिंग से संबंधित सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में विभिन्न ब्रांड के शराब की खाली बोतलें, बोतलों पर चिपकाने हेतु ब्रांड लेबल, खाली कार्टन, कार्टन सील करने वाला टेप एवं एक पंचिंग मशीन शामिल हैं।

रामगढ़ उत्पाद बल द्वारा बरामद सभी वस्तुओं को विधिवत जब्त कर लिया गया है। मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान करते हुए उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब के निर्माण, पैकेजिंग एवं तस्करी के विरुद्ध निरंतर सघन अभियान चलाया जा रहा है तथा ऐसे अवैध कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खाटूश्याम जी फाल्गुनी लखी मेला: राज्य व जिला प्रशासन की बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्थाओं से श्याम भक्तों को हो रहे सुगम दर्शन

ग्यारह लाख से अधिक श्रद्धालुओं बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया

प्रकाश पटवारी

रामगढ़/खाटूश्यामजी: खाटू श्याम जी का फाल्गुनी लखी मेला 26 अपने परवान पर है, जिसमें देशभर से लाखों श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। राज्य व जिला प्रशासन के निर्देश में मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भक्तों को सुगम, सुरक्षित और सुखद दर्शन प्राप्त हो रहे हैं।

अब तक लगभग ग्यारह लाख श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं। बाबा श्याम का मुख्य मेला 27 फरवरी एकादशी को आयोजित होगा। इस दिन बाबा श्याम रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है।

मेले में समग्र मॉनिटरिंग 44 डिजिटल स्क्रीनों और श्याम सारथी ऐप,पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। इस पोर्टल पर पार्किंग, मेडिकल कैंप, ऑनलाइन रूट दर्शन, भंडारा एवं विभिन्न पासों की अनुमति एक ही स्थान पर उपलब्ध है। मुख्य अप्रोच सड़कों पर लगाए गए क्यूआर कोड स्कैनर्स से श्रद्धालु आसानी से पार्किंग स्थलों की जानकारी प्राप्त

कर रहे हैं, जिससे परिवहन और दर्शन में बड़ी सुगमता आई है। क्यूआर कोड के माध्यम से भक्तों को सटीक जानकारी प्राप्त हो रही है।

मेले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 14 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां थके-हारे श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं। कुल 31 एंबुलेंस (जिनमें 8 बाइक एंबुलेंस शामिल) तैनात हैं, और मुख्य पार्किंग स्थलों पर एंबुलेंस एवं फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रींगस से खाटू तक पैदल पथ पर कारपेट बिछाया गया है, मेला क्षेत्र में पर्याप्त एलईडी एवं हाई मास्क लाइट्स से रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था, 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के साथ ही, ई-रिक्शा के लिए अलग–अलग जोन एवं निर्धारित रूट चार्ट, मुख्य पार्किंग पर सीसीटीवी कैमरे तथा चार नियंत्रण कक्ष से मेले की निरंतर मॉनिटरिंग करने की व्यवस्थाएं की गई हैं।

स्वयंसेवक अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना का उत्कृष्ट परिचय दे रहे हैं। सीओ स्काउट सेवा दल पूरी सजगता के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहे है तथा व्हील चैयर के द्वारा श्रदालुओं को पूरी निष्ठा के साथ दर्शन करवा रहे है।

कुडू - रांची मुख्य पथ स्थित गोल्ड ईंट भट्ठा के आसपास जंगली हाथी का विचरण, लोगों को सतर्क रहने की सलाह

कुडू। कुडू–रांची मुख्य पथ (एनएच–75) स्थित गोल्ड ईंट भट्ठा के आसपास के इलाके में एक जंगली हाथी के विचरण करने की खबर मिल रही है। इसे लेकर स्थानीय थाना प्रभारी अजित कुमार ने आम नागरिकों और राहगीरों से इस क्षेत्र से गुजरते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। साथ ही हाथी के नजदीक जाने या उसका फोटो/वीडियो बनाने से बचने के लिए लोगों को चेताया गया है। उन्होंने अनावश्यक भीड़ इकट्ठा न करने, बच्चों और मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर रखने और रात के समय अकेले उस मार्ग से गुजरने से बचने के निर्देश दिए हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन या वन विभाग से संपर्क किया जाए। इस लेकर स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि हाथी के विचरण की स्थिति में संयम और सतर्कता बनाए रखें, क्योंकि हाथी की अचानक प्रतिक्रिया खतरनाक हो सकती है।

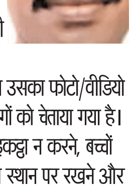

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मयार्दाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भडकाने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए।

तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था। तुलसीदास जी अब प्रेम का सच्चा अर्थ समझ गये थे। तुलसीदास जान चुके थे कि वह जिस प्रेम को पाने के लिए बचैन थे वह तो क्षण भंगुर है। यह प्रेम तो संसार से दूर ले जाता है। वास्तविक प्रेम तो ईश्वर से हो सकता है जो कण-कण में मौजूद है उसे पाने के लिए बेचैन होने की जरूरत नहीं है उसे तो हर क्षण अपने पास मौजूद किया जा सकता है। इसी अनुभूति के कारण तुलसीदास राम के दर्शन पाने में सफल हुए। जिस पत्नी से मिलने के लिए तुलसी अधीर रहते थे वही उनकी शिष्य बनकर उनका अनुगमन करने लगी।

चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी को महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आजाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला में हुआ था तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गाँव में बीता, जहाँ उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी।

पाठकों को बताता चलूं कि उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और ह्यआजादह्न नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेलखाना बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आजाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड(13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में) ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

पाठक जानते होंगे कि आजाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे, और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। कहते हैं कि एक बार उन्होंने स्त्री का भेष धारण कर अंग्रेजों को चकमा दे दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें क्विक सिल्वर (पारा) कहते थे।

वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। पाठकों को बताता चलूं कि भगत सिंह उन्हें सम्मान से पंडित जी कहते थे। दोनों की जोड़ी को आग और हवा की तरह माना जाता था-जहाँ भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आजाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे।

महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। गौरतलब है कि यह संगठन 1924 में शचींद्र नाथ सान्याल सहित अन्य क्रांतिकारियों द्वारा स्थापित किया गया था। इसके प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी आदि शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई।

बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आजाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची, तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की।जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर

पर गोलियाँ चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुँचे।

आजाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुँचे।

निष्कर्षतः, चंद्रशेखर आजाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है। आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है। सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय

असमानताओं को कम करने में सहायक होगा। समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

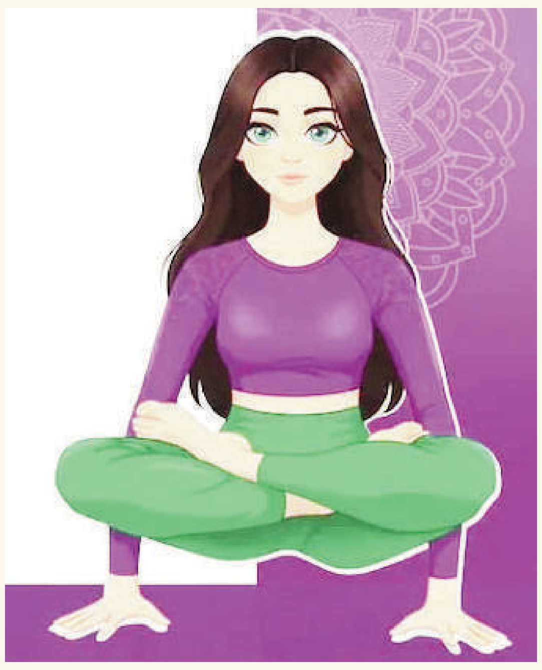

हाथ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत बनाने के लिए करें ये पावरफुल योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने का आसान उपाय योगासन में छुपा है. योग न केवल शरीर बल्कि मन को भी संतुलित और स्वस्थ रखता है. इन्हीं में से एक है उत्थित पद्मासन, जिसका रोजाना थोड़ा अभ्यास भी कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उत्थित पद्मासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है. मंत्रालय के अनुसार, योग अनुशासन और शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य का श्रेष्ठ मार्ग है. उत्थित पद्मासन का नियमित अभ्यास शरीर का संतुलन बेहतर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है.

क्या है उत्थित पद्मासन?

यह आसन पद्मासन की स्थिति में हाथों के बल पूरे शरीर को जमीन से ऊपर उठाने वाली एक शक्तिशाली योग मुद्रा है. यह हाथों, कंधों, कोर और शरीर की समग्र ताकत को बढ़ाता है.

उत्थित पद्मासन करने की विधि

सबसे पहले पद्मासन में बैठें.

एक पैर दूसरी जांघ पर और दूसरा पैर पहली जांघ पर रखें.

दोनों हाथों को शरीर के पास जमीन पर रखें, हथेलियां नीचे की ओर.

गहरी सांस लेकर हाथों पर पूरा भार डालें और शरीर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं.

गर्दन और सिर सीधा रखें, नजर सामने या थोड़ा नीचे की ओर.

जितना संभव हो उतने समय तक मुद्रा में बने रहें और सांस सामान्य रखें.

धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं.

उत्थित पद्मासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं?

1. मांसपेशियों को मजबूती

यह हाथों, कलाइयों, कंधों और कोर मसल्स को बेहद मजबूत बनाता है.

पेट की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और कब्ज से राहत मिलती है.

2. मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

संतुलन की क्षमता बढ़ती है.

दिमाग में एकाग्रता आती है और तनाव कम होता है.

3. रक्त संचार व ऊर्जा प्रवाह में सुधार

नियमित अभ्यास से छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है.

मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रहता है.

4. छात्रों के लिए लाभकारी

लगातार अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, जो पढ़ाई में विशेष रूप से सहायक है.

उत्थित पद्मासन से जुड़ी सावधानियां

घुटने, कूल्हे या कलाई में दर्द या चोट होने पर आसन करने से पहले डॉक्टर या योग गुरु से सलाह लें.

रात में पैरों में खुजली क्यों होने लगती है?

नारी डेस्क : कई लोगों को यह समस्या होती है कि दिनभर सब ठीक रहता है, लेकिन जैसे ही रात होती है, पैरों में तेज खुजली शुरू हो जाती है।कभी-कभी खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि नींद तक उड़ जाती है। तेल लगाने, दवा लगाने के बाद भी आराम नहीं मिलता और शरीर में बेचैनी बनी रहती है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर रात में ही पैरों में खुजली क्यों बढ़ जाती है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसके पीछे सिर्फ एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की स्किन, लाइफस्टाइल और सेहत पर भी निर्भर करता है।

रात में पैरों में खुजली बढ़ने के मुख्य कारण

स्किन का ड्राई होना

रात के समय शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। इससे स्किन रूखी (ड्राई) हो सकती है।जब स्किन में नमी कम हो जाती है, तो खुजली की समस्या बढ़ने लगती है।

ब्लड सर्कुलेशन का बढ़ना

रात में आराम की स्थिति में पैरों की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे नसें ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं और खुजली महसूस हो सकती है।

फंगल इंफेक्शन

अगर पैरों में लालपन, छाले, जलन या स्किन छिलने जैसी परेशानी है, तो यह फंगल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। फंगल इंफेक्शन में रात के समय खुजली ज्यादा बढ़ जाती है।

दिनभर जूते-मोजे पहनना

पूरा दिन टाइट जूते, सिंथेटिक मोजे पहनने से पैरों में पसीना और नमी जमा हो जाती है।इससे स्किन इरिटेट होती है और रात में खुजली बढ़ सकती है।

साबुन या डिटर्जेंट से एलर्जी

कभी-कभी नया साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल युक्त प्रोडक्ट भी स्किन में एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे रात में खुजली की समस्या होती है।

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. मानव शरीर का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कौन सा पानी शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी है. सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आ रही है. यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक लाभकारी प्रक्रिया है.आयुर्वेद के अनुसार सुबह का गुनगुना पानी पाचन अग्नि को सक्रिय करता है और कफ दोष को संतुलित करता है.

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

सवाल यह है कि क्या हर मौसम में और पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

आयुर्वेद मानता है कि हां, आप पूरे दिन गुनगुना पानी पी सकते हैं, लेकिन सही समय और स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है.

गुनगुना पानी कब पिएं?

सुबह खाली पेट- यह पाचन को तेज कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है.

भोजन से 30 मिनट पहले- यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाकर वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.

भोजन के 1 घंटे बाद- यह भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में सहायक है.

आयुर्वेद के अनुसार इन स्थितियों में सावधानी रखें :

1. ज्यादा प्यास या डिहाइड्रेशन में

ऐसी स्थिति में गुनगुना पानी डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है.

2. अत्यधिक गर्मी के मौसम में

गर्म या गुनगुना पानी शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर बेचैनी बढ़ा सकता है.

3. पित्त की समस्या या पेट में जलन होने पर

गर्मियों में पित्त बढ़ने पर गुनगुना पानी जलन को और बढ़ा सकता है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं.इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चना खाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है.यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत हारा चना खाने के फायदे : गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इन समस्याओं को दूर करने में हरा चना बेहद फायदेमंद माना जाता है.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चनाखाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है.यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म पर करता है असर

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि फाइबर और प्रोटीन से भरपूर भोजन इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. इससे पाचन के साथ-साथ ब्लड शुगर कंट्रोल में भी सहायता मिलती है.

पोषक तत्वों से होता है भरपूर

हरे चने में आयरन, मैग्नीशियम , पोटैशियम , विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये तत्व आंतों की अंदरूनी परत को मजबूत बनाते हैं और सूजन को कम करते हैं. जिन लोगों को अक्सर एसिडिटी या जलन की शिकायत रहती है, उनके लिए हरा चना पेट को ठंडक देने वाला हो सकता है.

हरा चना कई दूसरी समस्याओं में भी राहत देता है. इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ताकत देता है और कमजोरी को दूर करता है. आयरन (ढ्ढह्म्श्ठ्ठ) की अच्छी मात्रा खून की कमी में सहायक होती है. फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल की सेहत के लिए लाभकारी माने जाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. इसके अलावा, हरा चना शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है.

कैसे करें सेवन?

हरे चने को सब्जी, सूप, सलाद, पुलाव या हल्के स्नैक के रूप में खाया जा सकता है.

तन ही नहीं, मन के लिए भी आराम है जरूरी !

यूनानी सिद्धांतों में 'हरकत-ओ-सुकून नफसानी' यानी मानसिक गतिविधि और मानसिक विश्राम को स्वस्थ जीवन का अहम आधार माना गया है. जिस तरह हमारा शरीर लगातार काम करता रहे और उसे आराम न मिले तो वह थककर बीमार पड़ जाता है, ठीक उसी तरह हमारा मन भी अगर लगातार तनाव, चिंता , डर या गुस्से में उलझा रहे तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है. यूनानी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार, हमारे भीतर एक जीवन शक्ति होती है जिसे रूह कहा जाता है. यही रूह हमारे मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब हमारी भावनाएं संतुलित रहती हैं, सोच सकारात्मक होती है और हम जरूरत के मुताबिक मानसिक आराम लेते हैं, तो रूह भी संतुलन में रहती है और सेहत बेहतर बनी रहती है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान का बढ़ता खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शरीर की थकान को तो समझ लेते हैं, लेकिन मन की थकान को नजरअंदाज कर देते हैं. देर रात तक काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर लगातार समय बिताना, हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे रहना या भविष्य की फिक्र में घुले रहना, ये सब मानसिक बोझ को बढ़ाते हैं.

मानसिक गतिविधि और विश्राम में संतुलन आवश्यक

यूनानी चिकित्सा कहती है कि मानसिक गतिविधि जरूरी है, क्योंकि सोच-विचार, सीखना और काम करना, ये सब जीवन का हिस्सा हैं. लेकिन हर चीज की तरह इसमें भी संतुलन होना चाहिए. अगर हरकत ज्यादा होगी और सुकून कम, तो बेचैनी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. वहीं, अगर व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए और कोई मानसिक गतिविधि न करे, तो भी उदासी और सुस्ती बढ़ सकती है. इसलिए संतुलन ही असली कुंजी है.

मन को सुकून देने वाले छोटे-छोटे कदम

मानसिक सुकून पाने के लिए बहुत बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती. दिन में थोड़ा समय खुद के लिए निकालना, गहरी सांस लेना, प्रकृति के बीच कुछ पल बिताना, नमाज, ध्यान या प्रार्थना करना और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना, ये छोटे-छोटे कदम मन को राहत देते हैं. साथ ही, अपनी सीमाओं को समझना भी जरूरी है. हर काम अपने ऊपर ले लेना और हर समय परफेक्ट बनने की कोशिश करना भी मानसिक दबाव बढ़ाता है.

यूनानी सिद्धांत हमें सिखाता है कि संयम अपनाएं, सकारात्मक सोच रखें और जरूरत पड़ने पर मन को विश्राम दें. जब मन शांत और संतुलित रहता है, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिखाई देता है.

वैश्विक नेता बनने के लिए राष्ट्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पानी होगी : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

श्रीनगर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए देश को अपनी औपनिवेशिक मानसिकता त्यागनी होगी। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति सचेत रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण रखना होगा। सोशल मीडिया आपको जीवन में अधिक सफल होने में मदद नहीं करेगा। हर चीज की अपनी सीमा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक स्नातक छात्र के रूप में मैं आप सभी से स्वदेशी नवाचार और भारतीय ज्ञान, संसाधनों और आवश्यकताओं पर आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। हमें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, हमें हीन होने की आवश्यकता नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को पहले से कहीं अधिक जीवंत और सहायक बनाया है।

कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सभी वैज्ञानिकों से इस महामारी के लिए टीका विकसित करने का आह्वान किया है। हममें से कितने लोगों ने इस पर विश्वास किया था? लेकिन हमने सबसे बेहतरीन टीका खोज लिया है और यह पूरी मानवता के लिए बहुत कारगर साबित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि इसी टीके पर सबसे विकसित पश्चिमी देशों ने भी शोध और विकास किया है, लेकिन वे सभी इसे पेटेंट कराने में पीछे रह गए, ताकि वे इसे ऊंची कीमत पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि एक टीका 7,500 अमेरिकी डॉलर में बिक सकता है, लेकिन एक गरीब आदमी इसे कैसे खरीद सकता है? उन्होंने कहा कि भारतीय नवाचारों को पश्चिमी दुनिया में भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब पूरी दुनिया आपके लिए खुली है, यह आपकी पहल है, आपकी रुचि है, आपका उत्साह है और आपकी मेहनत आपको दुनिया के शिखर पर पहुंचाएगी। राधाकृष्णन ने बताया कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 1600 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास और विस्तार को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पर्यटन का विस्तार किया जाना है, लेकिन इसे हमारे महान राज्य के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि चिनाब नदी पर बना रेल पुल एक चमत्कार है जो सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।उन्होंने कहा कि कई अन्य अवसंरचना परियोजनाएं हैं जो एक बड़ा संदेश देती हैं। ये परियोजनाएं इंजीनियरिंग उपलब्धियों से कहीं अधिक हैं। ये सामाजिक सद्भाव के साधन हैं। जब स्थान जुड़ते हैं तो लोग जुड़ते हैं। और जब लोग जुड़ते हैं तो दिल आपस में जुड़ते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पहलें आज स्नातक हो रहे युवाओं जैसे युवाओं के लिए नए अवसर भी पैदा करती हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना छात्रों को देश भर के संस्थानों में अध्ययन करने में सक्षम बनाकर एक महान अवसर, आकांक्षा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती हैं। छात्रों से नशीले पदार्थों से दूर रहने का आग्रह करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि आपके माता-पिता आप पर निर्भर हैं कि आप उनके बुढ़ापे में उनकी देखभाल करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हर धर्म नशीले पदार्थों को सबसे पापपूर्ण पदार्थ मानता है, इसलिए नशीले पदार्थों से दूर रहें।

संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

-इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्टा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

-हैदाराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1¬36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा: ओवैसी और कांग्रेस ने नीतिगत बदलाव को बताया विश्वासघात

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान इजरायल यात्रा को लेकर देश के भीतर राजनीतिक पारा गरमा गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस दौरे पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे भारत की पारंपरिक विदेश नीति के साथ विश्वासघात करार दिया है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार के इस कदम की कठोर आलोचना की है। ओवैसी ने इजरायली नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए उन्हें युद्ध अपराधी बताया, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरफ्तारी वारंट की चर्चा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समय में इजरायल जाकर वहां के नेतृत्व के साथ गर्मजोशी दिखाना भारत द्वारा दशकों से फिलिस्तीनी अधिकारों के प्रति दिए जा रहे सैद्धांतिक और ऐतिहासिक समर्थन के विरुद्ध है। ओवैसी ने मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक समीकरणों पर गंभीर आशंका जताते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन जायोनिज्म मुर्दाबाद के नारे के साथ करते हुए इजरायल की राजनीतिक विचारधारा के प्रति अपना कड़ा विरोध स्पष्ट किया।

सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस दौरे को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की इस यात्रा को नैतिकता के विरोध में बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत के ऐतिहासिक रुख की याद दिलाते हुए कहा कि 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल की भारतीय टुकड़ी से मुलाकात की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है, चाहे वह 1981 में स्मारक डाक टिकट जारी करना हो या 1988 में औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देना। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करते समय गाजा में मारे गए हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास हमेशा सत्य, शांति और न्याय के साथ खड़े होने का रहा है और हमें दुनिया को यही रोशनी दिखानी चाहिए।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री अपनी इस दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान इजरायल के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा द्वारा किए गए भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर इजरायल के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। उन्होंने वैश्विक मंच से आह्वान किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह वैश्विक शांति के लिए खतरा है और इसका मुकाबला करने के लिए दोहरे मापदंड छोड़कर समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। जहां सरकार इस दौरे को कूटनीतिक सफलता के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे भारत की गुटनिरपेक्ष और फिलिस्तीन समर्थक छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कदम मान रहा है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

-आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली।

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्क्वायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली । भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ए शिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्व्यु निटी काल इं डिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अे धिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

नई दिल्ली । भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

लाभ और सुविधा

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहट्र्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहट्र्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अने रिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

- आईपीओ का मूल्य दायरा 1287-1352 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 583 करोड़ रुपए के सरकारी भुगतान के साथ कायम रखा भरोसा

रांची/जमशेदपुरः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ स्थित अपनी एक शाखा में हरियाणा सरकार के कुछ विभागों के खातों से जुड़े हालिया मामले पर अपनी पूर्व जानकारी का संदर्भ दिया है। प्रारंभिक जाँच में संकेत मिले हैं कि शाखा के कुछ कर्मचारियों ने कथित रूप से जाली दस्तावेजों और भुगतान निर्देशों को क्लियर करने में धोखाधड़ी की और संभव है कि इसमें बाहरी लोगों की मिलीभगत भी रही हो। मामले की फिलहाल संबंधित प्राधिकरणों द्वारा जाँच की जा रही है।

जाँच जारी रहने के बावजूद, बैंक ने तुरंत कदम उठाते हुए हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों द्वारा दावा की गई मूल राशि और ब्याज का 100% भुगतान कर दिया है, जिसकी कुल राशि 583 करोड़ रुपए है। अंतिम राशि में आगे किसी अतिरिक्त दावे या मिलान प्रक्रिया के आधार पर बदलाव हो सकते हैं।

हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों ने इस मामले में बैंक के सिद्धांत आधारित रुख, त्वरित कार्रवाई और पेशेवर आचरण की सराहना करते हुए, आभार व्यक्त किया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक आधुनिक टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर और उन्नत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है, जो बेहतर ग्राहक अनुभव को समर्थन देता है। इसके मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त रिसर्च फर्म फॉरेस्टर ने वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर रैंकिंग हासिल की है। साथ ही, इसे गूगल पर 4.9 और आईओएस प्लेटफॉर्म पर 4.8 की उच्च ग्राहक रेटिंग प्राप्त है।

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया।

इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

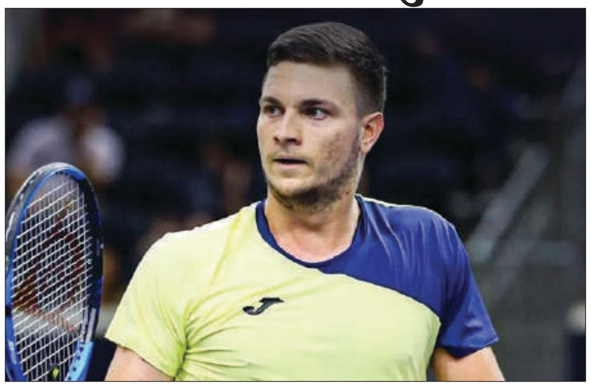

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड 'गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोट 'जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो ।न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं।न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है।ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है।पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे।इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा।इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके।पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी।ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है।पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है।पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है।इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है।इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था।उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा।उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे।पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये।इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था।उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये।पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं।उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी।मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रुक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है । टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है।दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है।उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था।दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी।मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-।कर दिया।वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी।दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ।एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया।इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी।एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस ।पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है।पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है।इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया।इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया।अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है।अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है।इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं।वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी।गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की।पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी ज़िम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

नगरपालिका निर्वाचन की मतगणना आज, सभी तैयारियां पूर्ण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । नगरपालिका आम निर्वाचन के सफल एवं पारदर्शी संचालन को लेकर निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता गौतम भगत द्वारा गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मतगणना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। वही निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि नगरपालिका आम निर्वाचनके तहत दिनांक 27 फरवरी को प्रातः 08 बजे से साहेबगंज राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मतगणना से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां एवं प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं, ताकि मतगणना कार्य निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि साहेबगंज नगर परिषद् के लिए कुल 20 टेबल, राजमहल नगर पंचायत के लिए 10 टेबल तथा बरहरवा नगर पंचायत के लिए 10 टेबल की व्यवस्था की गई है। मतगणना कार्य के लिए कुल 120 मतगणना सहायक, 52 मतगणना पर्यवेक्षक तथा 112 अन्य सहायक कर्मी, जिनमें सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं आईटी सेल के कर्मी शामिल हैं, प्रतिनियुक्त किए गए हैं। साथ ही निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि साहेबगंज नगर परिषद् के लिए मतगणना 04 राउंड में, जबकि राजमहल एवं बरहरवा नगर पंचायत के लिए 02झ02 राउंड में मतगणना संपन्न कराई जाएगी। मतगणना केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगभग 55 दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में हुई 11वीं बोर्ड की परीक्षा

बिभा संवाददाता

उधवा । झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा आयोजित 11वीं बोर्ड की परीक्षा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा एवं स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर दियारा में गुरुवार को कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा आयोजित हुई। जानकारी के अनुसार 11वीं बोर्ड की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में साइंस तथा द्वितीय पाली में आट्र्स की परीक्षा हुई। इस दौरान प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि प्रथम पाली साइंस में कुल 76 परीक्षार्थी उपस्थित हुए। साथ ही बताया कि द्वितीय पाली आट्र्स में कुल 597 में से 592 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। वहीं स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर दियारा के केंद्राधीक्षक गौर चंद्र मंडल ने बताया कि प्रथम पाली साइंस में कुल 170 में से 169 परीक्षार्थी उपस्थित हुए,जबकि एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। साथ ही उन्होंने बताया कि द्वितीय पाली आट्र्स में कुल 829 में से 825 परीक्षार्थी उपस्थित हुए,जबकि 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मौके पर शिक्षक हबीबुर रहमान, बीरबल प्रसाद, अविनाश कुमार, कृष्णा प्रसाद, मन्नू शेख, आकिव जावेद, नाईम अख्तर, तारिक अनवर सहित अन्य मौजूद थे।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए दुलार गृह भ्रमण गाइड बुक पर सेक्टर स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दुलार गृह भ्रमण के दौरान लाभार्थियों से संबंधित जानकारी को सही एवं समयबद्ध तरीके से पोषण ट्रैकर पोर्टल पर अपलोड करना है। इसके तहत सेविकाओं को पोषण ट्रैकर में प्रदर्शित सभी गर्भवती लाभार्थियों के एमसीटीएस कार्ड के उपयोग एवं मोबाइल एप के माध्यम से डेटा प्रविष्टि की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम एवं दरखाशा खातून के द्वारा सेविकाओं को अलग-अलग सेक्टरों के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया। ताकि सभी लाभार्थियों का डेटा शुद्धता के साथ अपलोड हो सकें और पोषण सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहें। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित सेविकाओं ने दिए गए दिशा-निदेर्शों को गंभीरता से सुना और व्यवहारिक रूप से सीखने का अवसर प्राप्त किया। महिला पर्यवेक्षिका ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से आंगनबाड़ी सेविकाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जा सकेगा। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका मौजूद थे।

उत्तर पियारपुर में सात बकायादारों के काटे गए विद्युत कनेक्शन

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तर पियारपुर पंचायत में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने को कहा गया है। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल, इस्लाम शेख, पूरन साहा, शौकत शेख, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

उधवा के आरिफ ने जुनियर रिसर्च फेलोशिप परीक्षा में लाया 139 वां रैंक

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के पश्चिम प्राणपुर पंचायत के आरिफ शेख ने जेआरएफ (जुनियर रिसर्च फेलोशिप) में 139 वां आल इंडिया रैंक लाकर उधवा का नाम रौशन किया है।इस परीक्षा पास करने से पूरे देश भर में सहायक प्रोफेसर बनने का अवसर मिलेगा। इस युवक के सफलता से परिजनों व रिश्तेदारों ने खुशी जताई है। इससे पूर्व आरिफ शेख उधवा हाईस्कूल से जीव विज्ञान शिक्षक रवि कुमार झा के देखरेख में देश के प्रतिष्ठित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से जीव विज्ञान से एमएससी की पढ़ाई पूरा किया है। आरिफ शेख वर्तमान में वह उधवा में जीव विज्ञान के छात्र-छात्राओं को ट्यूशन पढ़ाने का काम कर रहे है। उन्होंने अपना सफलता का श्रेय शिक्षक रवि कुमार झा को दे रहे है। जो वर्तमान प्लस टू उच्च विद्यालय गोड्डा में पदस्थापित है।

बाल विवाह मुक्त जिला बनाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

तालझारी । जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार गुरुवार को राजमहल एवं तालझारी प्रखंड अंतर्गत राजमहल प्रखंड कार्यालय के प्रखंड सभागार और तालझारी प्रखंड के पोखरिया पंचायत के आंगनबाड़ी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देख-रेख के चंदा कुमारी द्वारा किया गया। जहां सभी को संबोधित कर प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर, महिला उत्पीड़न, डायन प्रथा तथा बाल विवाह की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दिया गया। उन्होंने कहा कि समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता आवश्यक है। वहीं मंथन संस्था के परियोजना समन्वयक अमन वर्मा ने बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण,बाल तस्करी,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल शोषण, बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर टोल फ्री नंबर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। महिला सशक्तिकरण, किशोर-किशोरियों के विकास तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के उपायों पर अपने विचार रखें। मौके पर जूली कुमारी, अवधेश कुमार, शबनम प्रवीण, संजीव कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

कंटेनर-हाइवा के बीच टक्कर में लगी आग, खलासी जिंदा जला

दुमका। रिंग रोड स्थित मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एएन कॉलेज के समीप लाइटर लोड कंटेनर और गिट्टी लोड हाइवा के बीच टक्कर के बाद आग लग गई। घटना में हाइवा के खलासी की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से झुलस गया। घटना बुधवार रात की है। घायल हाइवा चालक की पहचान बिहार के बांका जिला अंतर्गत बेलहर थाना क्षेत्र के कैलास पहाड़ी निवासी 30 वर्षीय संतोष कुमार यादव (पिता आनन्दी यादव) के रूप में हुई है। उसे गंभीर अवस्था में फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में इलाज जारी है। मृतक उमेश कुमार बांका जिले के सुईया थाना क्षेत्र के दोना पाथर का निवासी था। जानकारी के अनुसार पाकुड़ के अमड़ापाड़ा स्थित कोल माइंस से गिट्टी लोड हाइवा दुमका रेलवे स्टेशन परिसर स्थित कोल डंपिंग यार्ड की ओर जा रहा था। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे लाइटर लोड कंटेनर से एएन कॉलेज के समीप मुख्य पथ पर आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई और लपटें तेजी से फैल गईं। आग इतनी भीषण थी कि पास में खड़े कोयला लदे दो अन्य हाइवा भी उसकी चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

स्टार्टअप संस्थाओं ने प्रदर्शित किए भारत की रोजमर्रा की चुनौतियों के एआई आधारित व्यावहारिक समाधान

बिहान भारत

भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक और दिन जोश भरा रहा। यहाँ बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और उन्होंने पूरे आयोजन स्थल पर जगह-जगह नवाचारों को लेकर चचाओं में हिस्सा किया।

प्रदर्शनी बूथों पर शुरूआती बातचीत से लेकर नवाचारों और नीति निमार्ताओं के बीच जीवंत चचाओं तक, पूरा दिन काफी चहल पहल भरा रहा। लाइव प्रदर्शनों के इर्द-गिर्द जुटे समूहों ने इस मुख्य संदेश पर जोर दिया कि एआई अब केवल मॉडल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की जिंदगी में अपनी जगह बना रहा है।

पूरे आयोजन का मुख्य केंद्र रहा कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकियों को व्यावहारिक सार्वजनिक अनुप्रयोगों में बदलने पर सरकार के निरंतर प्रयासों को प्रतिबिंबित कर रहा है। पूरे परिसर में विचारों को केवल प्रस्तुत ही नहीं किया गया, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को ध्यान में रखते हुए उनका प्रदर्शन, परीक्षण और उन पर विस्तृत चर्चा भी की गई।

व्यावहारिक दृष्टिकोण और मुक्त संवाद की वजह से एआई शिखर सम्मेलन चर्चा से आगे बढ़कर एक समाधान-केंद्रित मंच में बदल गया, यहाँ विचारों को स्पष्ट और व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित किया गया। यह शिखर सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप्स, शोधकताओं, उद्योग जगत के दिग्गजों और नवाचारकताओं को एक साथ लाया है। यह एआई अनुसंधान को उन व्यावहारिक समाधानों में बदलने के एक व्यापक राष्ट्रीय प्रयास को दशार्ता है, जिनका उपयोग परिवहन, शिक्षा, शासन, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों में किया जा सके।

एआई के साथ कोचिंग

जैसे ही दर्शक प्रदर्शनी हॉल में कदम रखते हैं, छात्रों का एक समूह स्टडी डैशबोर्ड प्रदर्शित करने वाली एक स्क्रीन के चारों ओर इकट्ठा हो जाता है। यह प्लेटफॉर्म शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी कानपुर की एक पहल 'साथी' (सेल्फ असेसमेंट, टेस्ट एंड हेल्प फॉर एंट्रेंस एग्जाम) है। 2023 में शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म आठ प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओंः जेईई, नीट, क्लैट, आईसीएआर, सीयूईटी, एसएससी आरआरबी और आईबीपीएस के लिए पूरी तरह से मुफ्त, व्यक्तिगत एआई-संचालित तैयारी और मार्गदर्शन करता है। 'साथी' एआई-आधारित शंका समाधान, स्टडी प्लान जनरेटर, 'कन्फ्यूजन डिटेक्शन टूल्स' और स्वचालित ट्रांसक्रिप्ट सारांश जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है। यह देखते हुए कि छात्र हमेशा निश्चित घंटों में पढ़ाई नहीं करते हैं, टीम ने छात्रों के अपने समय के अनुसार पढ़ाई करने के लिए एआई-संचालित सुविधाओं को एकीकृत किया है। आईआईटी कानपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर, श्री ध्रुव गर्ग बताते हैं, ₹हमने महसूस किया कि छात्र हमेशा सुबह 10 से शाम 6 बजे तक पढ़ाई नहीं करते हैं। इसलिए, हमने एआई कन्वेंशनल टूर, निमोनिक्स (याद रखने की तकनीक) और मेमोरी एड्स जैसी एआई सुविधाएँ जोड़ीं, जो विशेष रूप से 'जेन-जी' विद्यार्थियों के लिए सहायक हैं। साथ ही 'एआई विजुअल प्रॉब्लम सॉल्वर' भी जोड़ा गया है ताकि वे घर पर, किसी भी समय पढ़ाई कर सकें।₹

छात्र चयनित विषयों में अध्ययन के घंटों के आधार पर व्यक्तिगत अध्ययन योजनाएं तैयार कर सकते हैं। यह प्रणाली लेक्चर ट्रांसक्रिप्ट से मुख्य सूत्र और सारांश निकालती है और बार-बार होने वाले वैचारिक भ्रम को रेखांकित करती है। वर्तमान में यह सामग्री 13 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, और इसका और अधिक विस्तार किया जा रहा है।

श्री गर्ग ने यह भी बताया कि चयनित सरकारी स्कूलों में इसके शुरूआती कार्यान्वयन से उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं, जिसमें जेईई पास करने वालों में 50% तक और नीट पास करने वालों में 80% तक की वृद्धि देखी गई है। मुख्य जोर पहुंच का विस्तार करने पर है, विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जिनके पास निजी कोचिंग के साधन नहीं हैं।

कैमरों को एआई-आधारित इंटेलिजेंट सिस्टम में बदलना

थोड़ी ही दूर पर, बातचीत शिक्षा से निगरानी प्रणालियों पर आ जाती है। गुरुग्राम स्थित एक दशक पुरानी कंपनी 'आईरिसः वैल्यू कैटालिस्ट्स' के स्टॉल पर, सुरक्षा डिजाइन प्रबंधक श्री जिया अहमद पारंपरिक सुरक्षा समाधानों में एआई को एकीकृत करने के कंपनी के दृष्टिकोण को समझाते हैं। वे कहते हैं, ₹मान लीजिए कि आपके पास कोई गोदाम या रियल एस्टेट संपत्ति है। हम इसके व्यापक सुरक्षा जोखिम मूल्यांकन से शुरूआत करते हैं और आवश्यकताओं के अनुरूप एआई-आधारित सुरक्षा समाधान तैयार करते हैं। हार्डवेयर को बदलने के बजाय, ₹आईरिसर₹ पारंपरिक कैमरा इकोसिस्टम को एआई-संचालित सॉफ्टवेयर के साथ बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया कि ₹पहले, निगरानी प्रणालियाँ काफी हद तक मैन्युअल निगरानी पर निर्भर थीं। यदि कोई घटना होती थी, तो पूरी रिकॉर्डिंग की समीक्षा करनी पड़ती थी, जिससे यह प्रक्रिया अत्यधिक समय लेने वाली और अत्यधिक संसाधनों का उपयोग करने वाली हो जाती थी।

श्री अहमद आगे समझाते हैंः अब, एआई-सक्षम टूल के साथ, एक कमांड से सभी प्रासंगिक जानकारी एक साथ प्राप्त की जा सकती है। इंटेलिजेंट फि ल्टरिंग कपड़ों के रंग या समय अवधि जैसी विशेषताओं के आधार पर फुटेज को तुरंत छोटा कर देता है, जबकि कैमरों, मोशन सेंसर और अन्य उपकरणों को जोड़ने वाले एकीकृत सिस्टम वास्तविक समय में चेतावनी देते हैं, जिससे कार्रवाई करने की गति और कुशलता में काफी इजाफा होता है।

इस समय यह कंपनी प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं के लिए सुरक्षा जोखिम का मूल्यांकन कर रही है, जिसमें मथुरा में स्थित दुनिया का सबसे ऊँचा मंदिर 'वृंदावन चंद्रोदय मंदिर' भी शामिल है। श्री अहमद बताते हैं कि मुख्य जोर अनुभवी पेशेवरों और एआई की सहायता से जोखिम को कम करने की व्यवस्थित प्रक्रिया पर दिया जा रहा है।

रेल पटरियों के टूटने से पहले उनकी निगरानी

रेललैब्सः रेलवे डिजिटल सुरक्षा के सह-संस्थापक श्री सुमित आनंद गर्व के साथ स्वायत्त ट्रैक निरीक्षण रोबोट 'अरिस्टा' की ओर इशारा करते हैं। रेललैब्स का 'अरिस्टा' स्वायत्त और एआई-संचालित निरीक्षण क्षमताएं प्रदान करके ट्रैक रखरखाव के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है।

वे कहते हैं, इसे इसके आस-पास के परिवेश के आधार पर प्रशिक्षित किया गया है। हम मुख्य रूप से रेलवे ट्रैक में दरारों (सतह और आंतरिक दोनों) की पहचान करने के लिए अल्ट्रासोनिक दोष पहचान का उपयोग करते हैं।₹ ट्रैक प्रोफाइलिंग के लिए रोबोट लेजर का उपयोग करता है और दरारों का पता लगाने के लिए एआई-आधारित विजन कैमरों का भी प्रयोग करता है। श्री आनंद आगे समझाते हैं, मान लीजिए कि फिश प्लेट्स गायब हो गए हैं, बोल्ट उखड गए हैं या कोई अन्य संरचनात्मक दोष हैं, तो यह सिस्टम इस तरह की सभी खामियों का पता लगा लेगा।

वे आगे कहते हैं कि इससे निरीक्षण दक्षता में काफी बढ़ोतरी होती है, जो वर्तमान में मैन्युअल तरीकों से किए जा रहे काम की तुलना में 200 प्रतिशत ज्यादा है।

पास ही खड़े 'रेललैब्स' के संचालन प्रबंधक श्री निश्चल रंजन ने एक अन्य उत्पाद 'चक्रव्यू' के बारे में बताया, जो पहले से ही बाजार में उपलब्ध है। उनके अनुसार, यह पहियों के क्षरण का पता लगाने वाला एक सिस्टम' है जो यह अनुमान लगाता है कि ट्रेन या कोच का पहिया कब टूट सकता है या कितना घिसा हुआ है, जिससे ट्रेन के पटरी से उतरने की घटनाओं को रोका जा सकता है। यह उत्पाद वर्तमान में मुंबई, अगरतला और रांची सहित विभिन्न शहरों में 20 एलएचबी और तेजस कोचों में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

वे कहते हैं, दुर्घटना से पहले पहिए के संभावित दोषों की पहचान करके, यह प्रणाली दुर्घटना निवारक रेलवे सुरक्षा को मजबूत करती है। टीम के लिए, डिजिटल सुरक्षा का अर्थ मानवीय निगरानी को हटाना नहीं, बल्कि उसे सटीकता के साथ और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

वे कहते हैं, दो मिलीमीटर से बड़ी दरार भी खतरनाक हो सकती है, और समझाते हैं कि इस तरह की खमियों का पहले पता लगाना कोई तकनीकी विलासिता नहीं, बल्कि सुरक्षा की अनिवार्यता है।

इन उत्पादों के इस्तेमाल से स्थिति की शुरूआती पहचान करके पटरी से उतरने की घटनाओं को रोकने और रेलवे में सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में मदद मिलती है ।ऐसी परिस्थिति में एआई का उपयोग वास्तविक जीवन को बेहतर बना सकता है।

इन कहानियों के बीच, एआई शिखर सम्मेलन धीरे-धीरे अपनी गति पकड़ रहा है। पूरे हॉल में लगी स्क्रीनें जगमगा रही हैं। प्रदर्शित किये गए मॉडलों की खुसफुसाहट सुनाई दे रही है। नीति निमार्ता, छात्र, प्रौद्योगिकीविद् और उद्योगों के प्रतिनिधि अलग अलग स्टालों के बीच घूम रहे हैं, प्रश्न पूछ रहे हैं और लाइव प्रदर्शनों का अवलोकन कर रहे हैं।

निष्कर्ष

जैसे-जैसे शाम ढलती है और हॉल की रोशनी मद्धम पड़ती है, दर्शक वहां रुककर इंटरफेस देखते हैं और सवाल पूछते हैं। इस शिखर सम्मेलन से तुरंत किसी बदलाव की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। बल्कि, यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को सवांरने वाली इंटेलिजेंट प्रणालियों के निरंतर एकीकरण को दशार्ता है। परिवहन गलियारों, मंदिर परिसरों, कक्षाओं और कई अन्य कई स्थानों में, दक्षता, पहुंच और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए मौजूदा फ्रेमवर्क में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इसी क्रमिक एकीकरण में भारत की विकास यात्रा में एआई का स्थायी महत्व है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल टेक पॉलिसी और एआई आधारित ई-आरसीटी की शुरूआत की

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में दो बड़े सुधारों की घोषणा की। इनमें रेल टेक पॉलिसी के तहत समर्पित रेल टेक पोर्टल का शुभारंभ और पूर्णतः एआई आधारित डिजिटल रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल (आरसीटी) प्रणाली की शुरूआत शामिल है।

वैष्णव ने यहां रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रेल टेक पॉलिसी का उद्देश्य स्टार्टअप्स, नवोन्मेषकों, उद्योगों और शोध संस्थानों को रेलवे से एक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से जोड़ना है। उन्होंने कहा, स्टार्टअप्स और शोधकर्ता रेलवे से सीधे जुड़ सकें, इसी लक्ष्य के साथ यह नीति शुरू की गई है। कोई बाधा नहीं होगी, पूरी प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल होगी और आज से रेल टेक पोर्टल शुरू किया जा रहा है। हमारा पूरा फोकस नई तकनीकों को आजमाने पर है।

उन्होंने देशभर के स्टार्टअप्स और तकनीकी समाधान विकसित करने वाले नवप्रवर्तकों से अपील करते हुए कहा कि वे रेल टेक पोर्टल से जुड़ें। यह पोर्टल समस्याओं के डिजिटल समाधान स्वीकार करने का मंच होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि जब विज्ञान और नवाचार बड़े पैमाने से जुड़ते हैं और तकनीक परिवर्तन को गति देती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है।

रेल टेक पॉलिसी के तहत प्रस्तावों की स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब नवोन्मेषक एक ही चरण में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रोटोटाइप विकास और परीक्षण के लिए अधिकतम अनुदान राशि को दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल-अप अनुदान को तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है। यह प्रक्रिया उपयोगकर्ता अनुकूल होगी, जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

वैष्णव ने बताया कि इस नीति को तैयार करते समय रक्षा, धातुकर्म, दूरसंचार और जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की स्टार्टअप नीतियों का अध्ययन किया गया। रक्षा क्षेत्र की आईडेक्स जैसी पहलों और अन्य क्षेत्रों की सफल नीतियों से सीख लेकर रेलवे ने एक सरल और बाधारहित नीति तैयार की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के लिए 52 सप्ताह में 52 सुधारों का संकल्प लिया गया है।

प्रारंभिक तकनीकी चुनौतियों में एआई आधारित एलिफेंट इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (ईआईडीएस), कोचों में एआई आधारित अग्नि पहचान प्रणाली, ड्रोन आधारित टूटी रेल की पहचान, रेल तनाव निगरानी प्रणाली, पार्सल वैन में सेंसर आधारित लोड गणना उपकरण, कोचों पर सौर पैनल स्थापना तथा कोहरे के दौरान अवरोध पहचान प्रणाली शामिल हैं। कुछ स्टार्टअप्स कोचों में विद्युत तारों की निगरानी और करंट पैरामीटर के विश्लेषण पर भी कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा एआई आधारित पेंशन और विवाद निस्तारण प्रणाली पर भी काम किया जा रहा है।

दूसरे प्रमुख सुधार के रूप में मंत्री ने रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल (आरसीटी) को पूर्णतः डिजिटल और एआई सक्षम बनाने की घोषणा की। इसे नागरिक-केंद्रित पहल बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे दावों के निपटान की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और अधिक प्रभावी होगी। देशभर की 23 आरसीटी पीठों को डिजिटल रूप से जोड़ा जाएगा।

नई ह्यई-आरसीटीह्व प्रणाली के तहत 24.7 ई-फाइलिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे देश के किसी भी हिस्से से ऑनलाइन दावा दायर किया जा सकेगा। इसमें केस इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सीआईएस), डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम (डीएमएस) और स्वचालित अलर्ट जैसी सुविधाएं होंगी। आवेदकों को उनके मामलों की प्रगति की वास्तविक समय में जानकारी मिलेगी तथा सभी आदेश और दस्तावेज सुरक्षित डिजिटल रूप में उपलब्ध रहेंगे।

मंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग से मामलों के निस्तारण में लगने वाला समय कम होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी। इससे पीड़ितों, उनके परिवारों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों को त्वरित एवं विश्वसनीय न्यायिक प्रक्रिया का लाभ मिलेगा।

पोकरण में वायु सेना का सबसे बड़ा प्रदर्शन 'वायु शक्ति' आज

पहली बार लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

जोधपुर। सरहदी जिले जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार को भारतीय वायु सेना का अब तक का सबसे बड़ा अभ्यास 'वायु शक्ति' होगा। देश की राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु पहली बार स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरेंगी। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी इस शौर्य प्रदर्शन के साक्षी बनेंगे।

राष्ट्रपति निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 फरवरी को प्रचंड हेलीकॉप्टर में सह-पायलट के तौर पर उड़ान भरकर सीमावर्ती एयरस्पेस का मुआयना करेंगी। यह उनके करियर में एक नया अध्याय होगा, क्योंकि इससे पहले वे सुखोई-30 एमकेआई (8 अप्रैल 2023) और राफेल (29 अक्टूबर 2025) जैसे फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स में उड़ान भरकर अपनी धाक जमा चुकी हैं। दो अलग-अलग फाइटर जेट्स और अब लड़ाकू हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति बन जाएंगी।

वायु सेना के एयर मार्शल नागेश कपूर के अनुसार इस युद्धाभ्यास में लगभग 12 हजार किलो गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाएगा। अभ्यास की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 77 फाइटर जेट्स हिस्सा लेंगे, जिनमें राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और स्वदेशी तेजस शामिल हैं। इसके अलावा 43 हेलीकॉप्टर (अपाचे और प्रचंड) अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही सुपर हरक्यूलिस विमान भी इस अभ्यास में हिस्सा लेंगे। ये विमान भारतीय वायुसेना के विशेष दस्ते ह्यगरुड़ कमांडोह्व को सीधे वॉर-जोन में उतारेंगे।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद : धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 660 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 03,16,172 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

होली के अवसर पर कई स्पेशल ट्रेनों का होगा परिचालन

हाजीपुरः होली के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में निम्नानुसार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 05060/05059 लालकुआं-कोलकाता-लालकुआं स्पेशल (छपरा-सीवान-हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-बरौनी के रास्ते) - गाड़ी संख्या 05060 लालकुआं-कोलकाता स्पेशल 05.03.2026 से 26.03.2026 तक प्रत्येक गुरूवार को लालकुआं से 13.35 बजे खुलकर अगले दिन शुक्रवार को 23.55 बजे कोलकाता पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 05059 कोलकाता-लालकुआं स्पेशल 07.03.2026 से 28.03.2026 तक प्रत्येक शनिवार को 05.00 बजे खुलकर अगले दिन 15.45 बजे लालकुआं पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गोरखपुर-थावे-सीवान-छपरा-सोनपुर-हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-बरौनी-किउल सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर रूकेगी । गाड़ी संख्या 05506/05505 सहरसा-पूर्णिया कोर्ट-सहरसा स्पेशल - गाड़ी संख्या 05506 सहरसा-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल 06.03.2026 से 15.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को सहरसा से 13.20 से बजे खुलकर 15.30 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 05505 पूर्णिया कोर्ट-सहरसा स्पेशल 09.03.2026 से 17.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार एवं शनिवार को पूर्णिया कोर्ट से 15.00 बजे खुलकर 18.30 बजे सहरसा पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमंखी स्टेशनों पर रूकेगी । गाड़ी संख्या 09803/09804 सोगरिया-दानापुर-सोगरिया होली स्पेशल - गाड़ी संख्या 09803 सोगरिया-दानापुर स्पेशल 01.03.2026 को सोगरिया से 23.10 से बजे खुलकर अगले दिन 23.45 बजे दानापुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 09804 दानापुर-सोगरिया स्पेशल 03.03.2026 को दानापुर से 01.15 बजे खुलकर अगले दिन 01.10 बजे सोगरिया पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज छिवकी, सतना, मैहर, कटनी सहित अन्य प्रमुख स्टेशन पर रूकेगी । गाड़ी संख्या 03035/03036 डानकुनी-पटना-डानकुनी स्पेशल - गाड़ी संख्या 03035 डानकुनी-पटना स्पेशल 27.02.2026 एवं 04.03.2026 को डानकुनी से 00.30 से बजे खुलकर 14.45 बजे पटना पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 03036 पटना-डानकुनी स्पेशल 27.02.2026 एवं 04.03.2026 को पटना से 16.15 बजे खुलकर अगले दिन 07.00 बजे डानकुनी पहुंचेगी । अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन फतुहा, बख्तियारपुर, मोकामा, किउल, झाझा, जसीडीह सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर रूकेगी । गाड़ी संख्या 05064/05063 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर-गोमतीनगर स्पेशल - गाड़ी संख्या 05064 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर स्पेशल 26.02.2026 से 26.03.2026 तक प्रत्येक गुरूवार को गोमतीनगर से 18.55 से बजे खुलकर शनिवार को 03.30 बजे मालतीपाटपुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 05063 मालतीपाटपुर-गोमतीनगर स्पेशल 28.02.2026 से 28.03.2026 तक प्रत्येक शनिवार को मालतीपाटपुर से 11.15 बजे खुलकर अगले दिन 20.00 बजे गोमतीनगर पहुंचेगी । इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया के रास्ते किया जाएगा ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बारीडीह में मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज का दौरा किया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदमा में आयोजित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के भूमि पूजन के बाद बारीडीह पहुंचीं, जहां उन्होंने मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में ह्यपरिचय सम्मेलनह्व में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ फोटो सेशन किया, मेधावी छात्रों से संवाद किया और कॉलेज परिसर का निरीक्षण कर पौधारोपण किया।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब राष्ट्रपति कॉलेज परिसर से बाहर निकलीं, तो सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौजूद थी। लोगों का उत्साह देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और वाहन से उतरकर पैदल ही जनता के बीच पहुंच गईं। राष्ट्रपति करीब 150 कदम तक आम लोगों के बीच चलीं और अभिवादन स्वीकार किया। अपने बीच राष्ट्रपति को पाकर लोगों का उत्साह चरम पर था। खासकर महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोग हाथों में तिरंगा लिए राष्ट्रपति जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे।

राष्ट्रपति ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन किया और भीड़ में मौजूद बच्चों को चॉकलेट बांटी। एक बच्ची ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उसे स्वयं राष्ट्रपति ने चॉकलेट दी। वहीं परविंदर कौर नामक एक महिला ने कहा कि वह कई घंटों से राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए खड़ी थीं। जब राष्ट्रपति गाड़ी से उतरकर पैदल उनकी ओर आईं, तो यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उनकी बेटी को चॉकलेट देने के साथ आशीर्वाद भी दिया, जिससे परिवार बेहद भावुक और प्रसन्न है।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही और कहीं भी अफरातफरी की स्थिति नहीं बनी। लोगों को राष्ट्रपति को नजदीक से देखने और उनका अभिवादन करने का अवसर मिला।

स्थानीय निवासी एस कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि देश की राष्ट्रपति उनके इलाके में आएंगी। राष्ट्रपति के बारीडीह आगमन से पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल है।

गौरतलब है कि कदमा का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति का काफिला मरीन ड्राइव से खरकई लिंक रोड, मानगो गोलचक्कर और भुइयांडीह होते हुए बारीडीह पहुंचा। कॉलेज प्रबंधन ने जानकारी दी कि भविष्य में परिसर में ह्यद्रौपदी मुर्मू स्पोर्ट्स एंड फूड कैंपसह्व विकसित करने की दीर्घकालिक योजना है, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कंटेंट और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी : वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को उनके द्वारा होस्ट किए जाने वाले कंटेंट की जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि बच्चों और सभी नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करना अब प्लेटफॉर्म्स का दायित्व है।

मंत्री वैष्णव ने गुरुवार को यहां डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) के कॉन्क्लेव में अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि प्लेटफॉर्म्स को जागने और समाज की बुनियादी जरूरतों का सम्मान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट की प्रकृति अब पूरी तरह बदल चुकी है और अब प्लेटफॉर्म्स केवल माध्यम नहीं, बल्कि प्रभावशाली मीडिया संस्थान बन चुके हैं।

उन्होंने कहा, प्लेटफॉर्म्स को अपने यहां होस्ट किए जा रहे कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और सभी नागरिकों की सुरक्षा प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी है।

मंत्री ने आगाह किया कि यदि इन सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया तो प्लेटफॉर्म्स को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले के समय में प्लेटफॉर्म्स खुद को केवल इंटरमीडियरी बताते थे, लेकिन अब वे व्यापक प्रभाव वाले कंटेंट होस्ट बन चुके हैं।

वैष्णव ने समाज में विश्वास को सबसे महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि मानव सभ्यता की समूची संरचना विभिन्न संस्थाओं, जैसे- न्यायपालिका, विधायिका, मीडिया और सामाजिक व्यवस्थाओं पर आधारित विश्वास पर टिकी है, लेकिन डीपफेक, दुष्प्रचार और कृत्रिम रूप से तैयार की गई भ्रामक सामग्रियों ने इस विश्वास को गंभीर चुनौती दी है।

उन्होंने कहा कि किसी प्रतिष्ठित समाचार एंकर या उद्योग जगत के नेता का बिना सहमति एआई-जनित वीडियो बनाकर किसी उत्पाद या निवेश योजना का प्रचार करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट किया, किसी भी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या व्यक्तित्व का उपयोग कर कृत्रिम सामग्री बनाने से पहले उसकी सहमति अनिवार्य होनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी, साइबर अपराध और ऑनलाइन गेमिंग जैसे मामलों में भी प्लेटफॉर्म्स को सक्रिय कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि एल्गोरिद्म के जरिए भ्रामक या अवैध कंटेंट को बढ़ावा देना समाज के लिए घातक है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी उपयोगकर्ता को शिकायत या नुकसान की आशंका है, तो प्लेटफॉर्म्स के पास प्रभावी निवारण तंत्र होना चाहिए। न्यायपालिका और संसदीय समितियां भी इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जता चुकी हैं।

राजस्व साझेदारी के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि कंटेंट तैयार करने वाले रचनाकारों, समाचार संस्थानों, शोधकताओं और अन्य सृजनकताओं को उचित और न्यायसंगत हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्वेच्छा से उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो कई देशों की तरह कानूनी रास्ता अपनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बड़ा बदलाव करें और संस्थाओं में विश्वास को पुनर्स्थापित करने में सहयोग दें।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के मुंबई के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से संबंधित बैंक ऑफ बड़ौदा ऋण मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और कार्यालय में तलाशी ली। यह कार्रवाई 2,220 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में की गई है सीबीआई के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा की 24 फरवरी 2026 की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, उसके प्रमोटर एवं पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक से लिए गए ऋण को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन दिखाकर डायवर्ट और दुरुपयोग किया। कंपनी के खातों में हेरफेर किया गया और अनियमितताओं को छिपाया गया। इससे बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ ।सीबीआई के मुताबिक यह खाता वर्ष 2017 में ही एनपीए घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अनिल अंबानी द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद खाते को धोखाधड़ी घोषित करने पर रोक लगी थी। यह रोक 23 फरवरी 2026 को हटने के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने शिकायत दर्ज कराई और सीबीआई ने तुरंत मामला दर्ज किया ।जांच एजेंसी ने बताया कि इससे पहले भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर 11 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े एक अलग मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है।

रुड़की वाटर कॉन्क्लेव 2026 का सफल समापन

हरिद्वार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी) रुड़की एवं राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय रुड़की वाटर कॉन्क्लेव 2026 का समापन बुधवार शाम को आईआईटी परिसर में हुआ। यह त्रिदिवसीय सम्मेलन जल सहयोग, जल गुणवत्ता, सीमा पार नदी प्रबंधन तथा सतत विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

किसानों से समन्वय कर उन्नत तकनीकों को खेतों तक पहुंचाएं कृषि वैज्ञानिक: शिवराज

एजेंसी

वाराणसी। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि किसानों से समन्वय बनाकर उन्नत तकनीकों को शीघ्र खेतों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों का खेत स्तर पर प्रभावी प्रसार, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकें और बाजार से सीधा जुड़ाव किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गुरूवार को वाराणसी दौरे पर आए केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में समीक्षा बैठक के बाद वैज्ञानिकों व किसानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों, उन्नत सब्जी किस्मों, बीज उत्पादन, संरक्षित खेती, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धन तथा उद्यमिता विकास से जुड़ी पहलों की सराहना की। बैठक के पूर्व उन्होंने अनुसंधान संस्थान परिसर में रक्त-चंदन के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने आगामी रबी सत्र के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती को देखते हुए सब्जी उत्पादन प्रणाली में अधिक लचीलापन लाना होगा। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों और शोध संस्थानों के मध्य समन्वय का एक प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों तक तकनीक हस्तांतरण की गति तेज करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्मों का विकास, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकों का प्रसार तथा किसानों को बाजार से सीधे जोड़ना उनकी आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केन्द्रीय मंत्री ने संस्थान को तकनीकों के त्वरित प्रसार, नियातोंन्मुखी सब्जी प्रजातियों के विकास, स्टार्ट-अप एवं एफपीओ के साथ साझेदारी तथा युवाओं को कृषि-उद्यमिता से जोड़ने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने संस्थान की उपलब्धियों और किसानों के साथ किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सब्जी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों को संसाधन और तकनीकी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ सुधाकर पांडेय ने संस्थान की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रक्षेप (शोध के लिए चिन्हित भूमि) भ्रमण के दौरान मौजूद किसानों से बीजों की उपलब्धता, गुणवत्ता, उत्पादन लागत कम करने के उपायों तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की। ग्राफ्टेड बैंगन-टमाटर (ब्रिमेटो) और आलू-टमाटर (पोमेटो) जैसी उन्नत तकनीकों पर वैज्ञानिकों ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मंत्री ने इसकी सराहना करते हुए इन तकनीकों को किसानों तक शीघ्र उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने हाई-टेक नर्सरी की उपयोगिता रेखांकित करते हुए एफपीओ के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पौध एवं बीज उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। केन्द्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों से टमाटर सहित अन्य सब्जियों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, प्रसंस्करण योग्य किस्मों के विकास, नियातोंन्मुखी उत्पादन तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने को कहा। संस्थान के विकसित सूक्ष्मजीव जैव उर्वरक, बॉयो-स्टिमुलेंट तथा बॉयोपेस्टिसाइड उत्पादों का भी अवलोकन किया। इस दौरान आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ. सुधाकर पांडेय सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com